* 18th Year
* Issue: 20
* 10.05.2024 (FRIDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From Rourkela

मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बज रहा भारत का डंका-जेपी नड्डा

चित्रकूट ०९/०५ (संवाददाता):लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के दिग्गज नेता ताबड़तोड़ रैलियां और जनसभाएं कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चित्रकूट में चुनावी प्रसार किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले भारत के सामान्य नागरिक के मन में ये विचार घर कर चुका था कि अब कुछ बदलने वाला नहीं हैए राजनीति ऐसी ही होती हैए यहां गुंडों का राज चलता रहेगा। लेकिन मोदी जी के आने बाद भारत की राजनीति में सबकुछ बदला हैए ये चुनाव आप भाजपा को तो जीता ही रहे हैंए साथ ही आप विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर चल पड़े हैं। नड्डा ने कहा कि 10 साल

भारत की राजनीति में परिवारवाद, जातिवाद, व्यक्तिवाद, भ्रष्टाचार, वोटबैंक और तुष्टिकरण ही चलता था। लेकिन मोदी जी ने 10 साल में जातिवादए क्षेत्रवाद और तुष्टिकरण की राजनीति के साथ लोहा लेते हुए विकासवाद की राजनीति को आगे बढ़ाया और मंत्र रखा . सबका साथए सबका विकासए सबका विश्वास और सबका प्रयास। उन्होंने कहा कि आज देश में रिपोर्ट कार्ड, जवाबदेहीए विकासवाद और सबको साथ लेकर चलने की राजनीति चल रही है। ये मोदी जी की संस्कृति है।

जो कहा थाए वो किया है और जो नहीं कहा थाए वो भी करके दिया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासए सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए गांव, गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ितए युवाए किसान और महिलाओं को मजबूती देने का काम किया। उन्होंने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था। लेकिन आज मोदी जी और योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अब चित्रकूट को भी शामिल कर लिया गया है। इसके यहां आने से चित्रकूट और बांदा की तस्वीर बदल जाएगी और यहां के नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। नड्डा ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन केवल दो बातों का गठबंधन है। मोदी जी कहते हैं . भ्रष्टाचारी हटाओए घमंडिया गठबंधन वाले कहते हैं . भ्रष्टाचारियों को बचाओ। ये घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। ये सब परिवारवादी लोग हैं। उन्होंने कहा कि आजकल राहुल गांधी संविधान की कॉपी लेकर घूम रहे हैं। संविधान में बाबा साहेब अंबेडकर ने लिखा है कि धर्म के नाम पर नहीं होगा। जबकि कांग्रेस हमारे दलितए आदिवासीए पिछड़े और अतिपिछड़ा भाइयों के अधिकार पर डाका डालकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। फ्तेहपुर में नड्डा ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। जब दुनिया की आर्थिक अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही हैए वही मोदी जी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर से 5वें नंबर की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है।

राष्ट्रपति ने चिरंजीवी-वैजयंती माला को पद्म विभूषण से किया समानित

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता):भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को दक्षिण भारत के मेगास्टार चिरंजीवी को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक स मानए पद्म विभूषण से स मानित किया। श्रोउन रूमए जिसे दरबार हॉल के नाम से भी जाना जाता हैए वह स्थान है जहाँ यह कार्यक्रम दिल्ली में आयोजित किया गया था। जैसे ही अभिनेता ने स मान स्वीकार कियाए थिएटर खुशी से गूंज उठा। चिरंजीवी का समर्थन करने के लिए उनकी पत्नी सुरेखाए बेटे और अभिनेता राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला मौजूद थीं। चिरंजीवी के अलावाए अनुभवी अभिनेत्री वैजयंतीमाला को उनके परिवार की उपस्थिति में पद्म विभूषण मिला। अनुभवी अभिनेत्री ने इस अवसर के लिए पीले रंग की साड़ी चुनी और अत्यंत शालीनता के साथ दूसरे सर्वोच्च नागरिक स मान को स्वीकार किया। इस

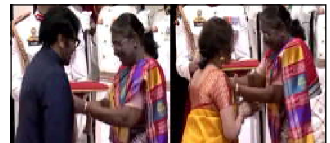

दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह के दौरान कला के क्षेत्र में जॉर्डन लेप्चा को पद्मश्री से स मानित किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में सत्यब्रत मुखर्जी ;मरणोपरांतद्ध को पद्म भूषण प्रदान किया। दिवंगत सत्यब्रत मुखर्जी के बेटे सुमेंद्र नाथ मुखर्जी को यह पुरस्कार मिला। मीडिया दिग्गज होर्मूसजी एन कामा को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह के दौरान पद्म भूषण पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस दौरान मुर्मू ने साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में श्रीधर मकाम कृष्णमूर्ति को पद्मश्री से स मानित किया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के किसान के चेल्ला मल को कृषि के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल के क्षेत्र में जोशना चिनप्पा को पद्मश्री से स मानित किया। मुर्मू ने कृषि के क्षेत्र में सत्यनारायण बेलेरी को पद्मश्री से स मानित किया। हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक सोम दत्त बट्टू को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म श्री पुरस्कार मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह के दौरान मूर्तिकार ए वेलु आनंद चारी को पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया।

के कविता ने किया दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख, जमानत के लिए लगाई अर्जी

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता): जेल में बंद भारतीय राष्ट्र समिति ;बीआरएस नेता के कविता ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत के लिए गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को कविता की न्यायिक हिरासत 14 मई तक बढ़ा दी। सीबीआई और ईडी मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने रिमांड की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किए जाने के बाद तेलंगाना एमएलसी की हिरासत बढ़ा दी। कार्यवाही के दौरानए प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत को बताया कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है और वह

एक सप्ताह के भीतर कविता के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर सकती है।

इससे पहलेए एक अदालत ने सोमवार को सीबीआई और ईडी द्वारा जांच किए जा रहे भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में कविता द्वारा दायर जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था। सीबीआई और ईडी के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने आवेदन खारिज करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सामग्री प्रतीत होती है।

रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और अभियुक्तों के खिलाफ आरोपों की गंभीरता के मद्देनजरए यह अदालत इस स्तर पर आवेदक को जमानत पर स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं है...हालांकि उसे भागने का जोखिम नहीं माना जा रहा था। न्यायाधीश ने कहाए गवाहों को धमकाने के संबंध में आचरण और यह आशंका कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति होने के नाते मामले के अन्य गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकती हैए आरोपी इस स्तर पर जमानत पर रिहा होने का हकदार नहीं है।

अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत का ईडी ने किया विरोध

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता): प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी ने गुरुवार को दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत का विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर एक हलफ्नामे में जांच एजेंसी ने कहा कि चुनाव प्रचार का अधिकार मौलिक नहीं है।

दिल्ली शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने से एक दिन पहले आज ईडी की उप निदेशक भानु प्रिया ने हलफ्नामा दायर किया। ईडी ने अपने हलफ्नामे में कहा कि चुनाव प्रचार का अधिकार कोई मौलिकए संवैधानिक या कानूनी अधिकार नहीं है। ईडी की जानकारी में किसी भी राजनीतिक नेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई हैए भले ही वह चुनाव लड़ने वाला उ मीदवार न हो।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह भी दलील दी कि अगर किसी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाती है तो उसे गिर तार नहीं किया जा सकता और न्यायिक हिरासत में नहीं रखा जा सकता। ईडी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में लगभग 123 चुनाव हुए हैं और अगर चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाती है तो किसी भी राजनेता को गिर तार नहीं किया जा सकता है और न्यायिक हिरासत में नहीं रखा जा सकता है क्योंकि चुनाव पूरे साल होते हैं। इसमें कहा गया हैए आम चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देने में केजरीवाल के पक्ष में कोई भी विशेष रियायत कानून के शासन और समानता के लिए अभिशाप होगी। ईडी ने आगे कहा कि सभी बेईमान राजनेताओं को चुनाव की आड़ में अपराध करने और जांच से बचने की अनुमति दी जाएगी।

कई मौकों पर हम प्रथम मददगार रहे हैं, मालदीव के विदेश मंत्री को जयशंकर ने चुन-चुनकर गिनाए भारत के एहसान

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता):भारत और मालदीव के विदेश मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट के बाद पहली बार राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉण् एस जयशंकर ने अपने मालदीव दौरे पर आए समकक्ष मूसा ज़मीर का स्वागत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर निर्भर हैं। हालांकि भारतीय पक्ष ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति मोह मद मुइज्जू के कार्यभार संभालने के बाद से चीन या उसके राजनयिक बदलाव का उल्लेख नहीं किया। जयशंकर ने

इस बात पर जोर दिया कि कैसे नई दिल्ली ने अपनी पड़ोसी पहले नीति को बनाए रखा और जब भी जरूरत पड़ी द्वीपसमूह राष्ट्र की मदद करने के लिए उपस्थित रहने की नीति पर कायम है।

करीबी और निकटतम पड़ोसियों के रूप में हमारे संबंधों का विकास स्पष्ट रूप से आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है। जहां तक भारत का सवाल हैए ये हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यक्त किए गए हैं। जयशंकर ने कहाए मुझे उ मीद है कि आज की हमारी बैठक हमें विभिन्न क्षेत्रों में हमारे दृष्टिकोणों के अभिसरण को मजबूत करने में सक्षम बनाएगी। जयशंकर ने कहा कि हमने पहले भी अनुकूल शर्तों पर वित्तीय सहायता दी है। भारत कई मौकों पर मालदीव के लिए प्रथम मददगार रहा है।

रामलला का आशीर्वाद लेने अयोध्या पहुंचे केरल के राज्यपाल आरिफ मोहमद खान, किया साष्टांग प्रणाम

अयोध्या ०९/०५ (संवाददाता): केरल के राज्यपाल आरिफ मोहमद खान ने अयोध्या में राम मंदिर का दौरा किया। केरल राजभवन ने मंदिर में पूजा करते हुए खान का एक वीडियो पोस्ट कियाए जहां उन्हें पृष्ठभूमि में श्जय श्री रामश् के नारे गूंजते हुए देवता के सामने झुकते देखा जा सकता है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने जनवरी में दो बार अयोध्या का दौरा किया और भगवान राम की पूजा करना उनके लिए गर्व की बात है। राज्यपाल ने कहा कि मैं जनवरी में दो बार अयोध्या आया। उस वक्त जो अहसास था वो आज भी वैसा ही है। मैं कई बार अयोध्या आया हूं। यह हमारे लिए सिर्फ खुशी की बात नहीं

हैए बल्कि अयोध्या आकर श्रीराम का पूजन करना हमारे लिए गौरव की बात है।श् खान . जो अक्सर केरल सरकार के साथ संघर्ष के लिए सुर्खियों में रहते हैं . ने पिछले ह ते कहा था कि हमारे आचरण में वैदिक शिक्षा को अपनाना वैदिक शिक्षा का प्रचार करने का सबसे अच्छा तरीका है और कहा कि दुनिया इससे सबक सीखेगी।यह कहते हुए कि ष्हमारे सभी संवैधानिक आदर्श हमारी परंपराओं में निहित हैंष्ए खान ने कहाए ष्लेकिन हम मानते हैं कि ये पश्चिम से आए हैं क्योंकि हम अपनी संस्कृति और विरासत के बारे में बहुत कम जानते हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमारा लोकाचार सहिष्णुता नहीं बल्कि स्वीकृति और स मान है। पिछले साल, उन्होंने सुधारक-शिक्षाविद् और अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खान को उद्धृत करते हुए कहा था आपको मुझे हिंदू कहना चाहिए.

ये चुनाव वोट फॉर जिहाद और वोट फॉर विकास के बीच की लड़ाई-अमित शाह

भोंगिर ०९/०५ (संवाददाता): जोर.शोर से चल रहे चुनाव प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि इन लोकसभा चुनावों में लड़ाई वोट फॉर जिहाद और श्वोट फॉर विकासश् के बीच है। केंद्रीय मंत्री भोंगिर में तेलंगाना के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे यहां तेलंगाना में उपस्थित होकर खुशी हो रही है. मैं आप सभी का हृदय से स्वागत करता हूं। आज हमारा देश लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव का गवाह बन रहा है। यहां आगामी चुनाव वोट फॉर जिहाद और श्वोट फॉर विकास मिशन के बीच लड़ाई का

प्रतिनिधित्व करते हैं।

शाह ने कहा कि आगामी चुनाव श्राहुल गांधी की चीनी गारंटी और श्मोदी जी की भारतीय गारंटी के बीच लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। मैं जहां भी जाता हूंए मुझे केवल मोदी, मोदी की गूंज सुनाई देती है। तेलंगाना ने कमल को चुनने का फैसला किया है और उसका प्यार और आशीर्वाद इस बार हमें 400 के पार ले जाएगा! उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने 2019 में हमें 4 सीटों का आशीर्वाद दिया। और इस बारए मुझे यकीन है कि हम तेलंगाना में 10 सीटें जीतने जा रहे हैं। तेलंगाना का यह डबल.डिजिट स्कोर निश्चित रूप से मोदी जी को 400 के पार पहुंचा देगा।

भाजपा नेता ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि तेलंगाना और राजस्थान के लोगों को कश्मीर से कोई लेना.देना नहीं है। दुर्भाग्य सेए वह नहीं जानते कि यहां के लोग कश्मीर के लिए अपनी जान भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना मोदी जी द्वारा लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय हैए और भारत के लोग इस निर्णय के लिए आभारी भी हैं और गर्व भी करते हैं। मोदी जी ने भोंगिर के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बहुत प्रयास किये हैं। मोदी की कपड़ा नीति बिल्कुल स्पष्ट हैण् इसका उद्देश्य श्खेत से फाइबरश्ए श्फाइबर से फैक्ट्रीश्ए श्फैक्ट्री से फैशनश् और श्फैशन से निर्यातश् तक के चैनलों को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस तेलंगाना में विकास सुनिश्चित करने के वादे के साथ सत्ता में आईए लेकिन उसने केवल भ्रष्टाचार किया। आपने रेवंत रेड्डी को 5 साल दिए और उन्होंने तेलंगाना को कांग्रेस पार्टी के लिए श्एटीएमश् में बदलने के अलावा कुछ नहीं किया। हमें तेलंगाना में 10 सीटों का आशीर्वाद देंए और हम इसे भारत का नंबर.1 राज्य बना देंगे।

विविध समाचार

मोदी के हाथ से फिसल रहा चुनाव, 15 अगस्त तक 30 लाख भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी इंडिया सरकार-राहुल गांधी

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि विपक्ष के नेतूतव वाली इंडिया गठबंधन की सरकार सत्ता में आने पर 15 अगस्त तक विभिन्न सरकारी विभागों में 30 लाख रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करेगी। एक वीडियो संदेश मेंए कांग्रेस सांसद ने देश के युवाओं से एक अपील की जिसमें उन्होंने कहा अगले 4.5 दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान भटकाने की कोशिश करेंगे क्योंकि उन्हें समझ आ गया है कि चुनाव उनके हाथ से फिसल रहा है।

राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि वह प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे और उन्होंने अब 4.5 दिनों के लिए आपका ध्यान भटकाने का फैसला किया है। वह कोई न कोई ड्रामा करेंगे। लेकिन आपका ध्यान नहीं भटकना चाहिए। बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है नरेंद्र मोदी ने 2 करोड़ नौकरियों का वादा किया था लेकिन यह झूठ था। वह नोटबंदीए गलत जीएसटी लाए और अडानी जैसे लोगों की सेवा की।

उन्होंने कहा कि हम भारती भरोसा लेकर आ रहे हैं। 4 जून को इंडिया ब्लॉक सरकार बनाएगा और 15 अगस्त तक 30 लाख खाली पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जय हिंद। नमस्कार। उन्होंने अपने संदेश में नरेंद्र मोदी के इस हमले पर पलटवार करते हुए अडानी का जिक्र किया कि राहुल गांधी ने अडानी.अंबानी का नाम लेना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि पांच साल तक कांग्रेस के शहजादा एक ही बात दोहराते रहे। लेकिन जब राफेल मुद्दा फीका पड़ गयाए तो उन्होंने पांच उद्योगपतियोंए खासकर अंबानी और अडानी को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

हालाँकिए चुनावों की घोषणा होने के बादए उन्होंने उन पर हमला करना बंद कर दिया। मैं तेलंगाना की धरती से पूछना चाहता हूं कि शहजादा ऐलान करें कि अंबानी.अडानी से कितना उठाया है। क्या कांग्रेस के पास तेजी से पैसा पहुंचा हैघ् ऐसी कौन सी डील हो गई कि रातों.रात अंबानी.अडानी को गाली देना बंद हो गया।

जबकि कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि राहुल गांधी ने अडानी.अंबानी के बारे में बात करना कभी बंद नहीं कियाए राहुल गांधी ने पूछा कि क्या पीएम मोदी को अपने व्यक्तिगत अनुभव से श्पैसे के टेंपो लोडश् के बारे में पता था। गांधी ने कहाए ष्मोदी जीए क्या आप थोड़ा डरे हुए हैंघ् आम तौर पर आप बंद दरवाजों के पीछे अडानी और अंबानी के बारे में बात करते हैंए लेकिन पहली बार आपने सार्वजनिक रूप से अडानी और अंबानी के बारे में बात की है।

अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं, 20 मई तक बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता): दिल्ली की एक अदालत ने समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 मई तक बढ़ा दी। केजरीवाल को पहले दी गई उनकी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया था। सीबीआई और ईडी के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सह.अभियुक्त चनप्रीत सिंह की न्यायिक हिरासत भी 20 मई तक बढ़ा दी। यह आदेश शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनकी गिर तारी को अरविंद केजरीवाल की चुनौती पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के साथ मेल खाता है। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की

दो.न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि वह केजरीवाल के लिए अंतरिम जमानत के सवाल पर विचार कर सकती है।

कोर्ट ने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मु यमंत्री हैं और मौजूदा लोकसभा चुनाव को देखते हुए मौजूदा हालात असाधारण हैं। ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम जमानत पर दलीलें सुनने पर आपत्ति जताई और कहा कि हम क्या उदाहरण पेश कर रहे हैंघ् क्या अन्य लोग मु यमंत्री से कम महत्वपूर्ण हैंघ् एक मु यमंत्री के साथ श्आम आदमीश् से अलग व्यवहार कैसे किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए कि वह मु यमंत्री हैं। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने केजरीवाल के वकील से कहा कि मु यमंत्री को अंतरिम जमानत देना इस शर्त के साथ होगा कि वह आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करने से दूर रहेंगेए क्योंकि इससे संभावित रूप से टकराव पैदा हो सकता है।

लोगों का भरोसा उठ जाएगा, शिक्षक भर्ती घोटाले में चीफजस्टिस ने लगाई बंगाल सरकार को फटकार

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता):सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल नौकरियों की भर्ती मामले में पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों की खिंचाई की और इसे प्रणालीगत धोखाधड़ी बताया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकारी बंगाल के सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25ए753 शिक्षकों और गैर.शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए बाध्य हैं। मु य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठए बंगाल के स्कूलों में 25ए000 से अधिक शिक्षकों और गैर.शिक्षण कर्मचारियों की नौकरियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही

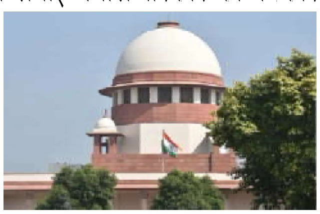

थी। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने कहा है कि उच्च न्यायालय ने नियुक्तियों को मनमाने ढंग से रद्द कर दिया है। जनता का विश्वास चला गया तो कुछ नहीं बचा। यह व्यवस्थागत धोखाधड़ी है। सीजेआई ने बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों से पूछा आज सार्वजनिक नौकरियाँ बेहद दुर्लभ हैं और इन्हें सामाजिक गतिशीलता के रूप में देखा जाता है। अगर उनकी नियुक्तियों को भी बदनाम कर दिया जाए तो सिस्टम में क्या रह जाएगाघ् लोगों का विश्वास उठ जायेगा। आप इसे कैसे मानते हैं?

शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार को भर्ती पर पर्यवेक्षी नियंत्रण बनाए रखना होगा। पीठ ने कहा कि आप दस्तावेजों को डिजिटल रूप में बनाए रखने के लिए बाध्य थे। अबए यह स्पष्ट है कि कोई डेटा नहीं है। आप इस तथ्य से अनजान हैं कि आपके सेवा प्रदाता के पास है एक अन्य एजेंसी को नियुक्त किया। आपको पर्यवेक्षी नियंत्रण बनाए रखना होगा।

हमने औरंगजेब को महाराष्ट्र में दफ्ना दिया, फिर हमारे लिए नरेंद्र मोदी कौन हैं-संजय राउत

मुंबई ०९/०५ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ असंसदीय बयान देने के बाद शिवसेना ;यूबीटीद्ध नेता संजय राउत के खिलाफ विवादों में घिर गए हैं। अहमदनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राउत ने कहा हमने औरंगजेब को महाराष्ट्र में दफ्ना दिया हैए फिर हमारे लिए नरेंद्र मोदी कौन हैं। ऐसी है हम मराठियों की वीरता। संजय राउत ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म महाराष्ट्र में हुआ था और औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था और ये दोनों व्यवसायी नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी हैं।

संजय राउत ने आगे कहा कि इतिहास देखें तो औरंगजेब का जन्म नरेंद्र मोदी के गांव में हुआ था। अहमदाबाद के बगल में दाहोद नाम का गांव हैए जहां औरंगजेब का जन्म हुआ था। औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ थाए इसीलिए उन्होंने ;पीएम मोदी और अमितद्ध शाहद्ध हमारे साथ औरंगजेब जैसा व्यवहार कर रहे हैं। लेकिन याद रखें कि हमने एक औरंगजेब को महाराष्ट्र की इस भूमि में दफ्नाया है औरंगजेब 27 वर्षों से महाराष्ट्र को जीतने के लिए लड़ रहा था। अंत मेंए हमने उस औरंगजेब को महाराष्ट्र की मिट्टी में दफ्नाया और उसकी कब्र खोदी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी तू कौन हैए तू कौन है. राउत ने हाल ही में बुलढाणा में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए इसी तरह का बयान दिया था। उन्होंने कहा था.

बेकार है राम मंदिर, रामगोपाल यादव के बयान पर भाजपा हुई हमलावर, सुधांशु त्रिवेदी बोले-उनके लिए हज हाउस अच्छा है

नयी दिल्ली ०९/०५ (संवाददाता): समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव मंगलवार को एक बड़े विवाद में फंस गए जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ष्मंदिर बेकार हैष्। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर अपना हमला तेज करते हुएए समाजवादी पार्टी नेता ने कहा कि हमारे देश में मंदिर इस तरह नहीं बनाए जाते हैंए उन्होंने कहा कि ष्राम मंदिर वास्तु के अनुसार नहीं बनाया गया हैष्। यादव ने कहाए श्मैं हर दिन भगवान राम की पूजा करता हूं। कुछ लोगों ने रामनवमी पर पेटेंट करा लिया है। लेकिनए वह मंदिर ; अयोध्या में राम मंदिरद्ध बेकार है। मंदिर ऐसे नहीं बनते। मंदिर का डिज़ाइन और नक्शा वास्तु के अनुसार नहीं है।श

टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुएए उत्तर प्रदेश के मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाए श्इंडी गठबंधन वोट बैंक की राजनीति के कारण लोगों के विश्वास के साथ खेल रहा है। उन्होंने हमेशा से ही अयोध्या में राम मंदिर का विरोध किया हैण् विनाश काले विपरीत बुद्धि। रामगोपाल यादव ने जो कुछ भी कहा वह सनातन मान्यताओं का अपमान है।श् राम गोपाल यादव की टिप्पणियों के बादए भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध ने प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि समाजवादी पार्टी नेता की टिप्पणियां राम मंदिर पर भारत ब्लॉक द्वारा सबसे ष्चौंकाने वाली और अपमानजनकष् टिप्पणी हैं।

नेता की आलोचना करते हुएए बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखाए ष्इंडी गठबंधन के एसपी नेता राम गोपाल यादव द्वारा राम मंदिर पर चौंकाने वाली और सबसे अपमानजनक टिप्पणी।ष् उन्होंने समाजवादी पार्टी पर राम भक्तों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणियों से यह स्पष्ट है कि प्छक्प् गठबंधन सनातन धर्म के उन्मूलन की दिशा में काम कर रहा है। बीजेपी नेता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने भी राम गोपाल यादव के बयान पर सवाल उठाया और कहाए श्गाजियाबाद में हज हाउस उनके लिए अच्छा है लेकिन राम मंदिर उनके लिए बेकार है। आगरा का मुगल गार्डन अच्छा था और राम मंदिर

मोदी की दलाली कर रही हैं ममता बनर्जी, अधीर रंजन का टीएमसी पर बड़ा हमला

कोलकाता ०९/०५ (संवाददाता): बंगाल कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने मु यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोलकर उन पर गुप्त रूप से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए काम करने का आरोप लगाकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस की सहयोगी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ;टीएमसी प्रमुख ममता पर हमला करते हुए अधीर रंजन ने कहा कि वह मोदी की दलाली और उनकी पैरवी कर रही हैंए यही वजह है कि पश्चिम बंगाल में दोनों गठबंधन सहयोगियों के बीच समझौता नहीं हो सका। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल कांग्रेस पर कटाक्ष किया और आरोप लगाया कि मौजूदा पश्चिम बंगाल सरकार दो समुदायों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश करती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और बेरहामपुर सीट से पांच बार के सांसद ने यह भी कहा कि टीएमसी यह साबित करने के लिए अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है कि इस बार सत्ताधारी पार्टी

ने उ मीदवार बनाया है ;टीएमसी ने बेरहामपुर सीट से पूर्व क्रिकेटर यूसुफपठान को मैदान में उतारा हैद्ध अधिक तरजीह दी जानी चाहिए क्योंकि वह अल्पसं यक समुदाय से हैं और मैं हिंदू समुदाय से हूं। वहीं दूसरी तरफटीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के तहत सीट बंटवारा नहीं होने के लिए पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी जि मेदार ठहराया। बनर्जी ने कहा कि टीएमसी बंगाल में कांग्रेस के साथ सीट.बंटवारे चाहती थी ताकि ष्इंडियाष् गठजोड़एक साथ लड़ सके। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस मार्क्सवादी क यूनिस्ट पार्टी ;माकपाद्ध के साथ क्यों गईए जो लंबे समय से राज्य में उसकी कट्टर दुश्मन है और इस गठजोड़ के लिए चौधरी को दोषी ठहराया। अभिषेक बनर्जी ने बहरामपुर से टीएमसी उ मीदवार यूसुफ पठान के समर्थन में यहां रोड शो करने के बाद कहा कि बंगाल में ष्इंडियाष् गठबंधन के आकार नहीं लेने का एकमात्र कारण अधीर रंजन चौधरी हैं। पठान का मुकाबला इस सीट पर कांग्रेस के चौधरी से है। विपक्षी गठबंधन के गठन के बाद से ही माकपा ने स्पष्ट कर दिया था कि वह बंगाल में भाजपा और टीएमसी दोनों के खिलाफ लड़ेगी। चौधरी लगातार पांच बार से इस सीट से सांसद हैं और वह छठी बार फिर से मैदान में हैं।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से 8 लोगों की मौत

शिवकाशी ०९/०५ (संवाददाता): तमिलनाडु के शिवकाशी के पास एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 8 लोगों की जान चली गई। यह विस्फोट भारत के आतिशबाजी केंद्र कहे जाने वाले शिवकाशी के पास स्थित एक आतिशबाजी निर्माण इकाई में हुआ। जैसा कि पुलिस ने बताया हैए विस्फोट में बारह अन्य लोग भी झुलस गए। गौरतलब है कि घटना के वक्त फैक्ट्री वैध लाइसेंस के साथ चल रही थी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने विस्फोट के पीछे के कारण का पता लगाने के लिए एक जांच शुरू कर दी हैए उन संभावित कारकों की जांच की जा रही है जिनके कारण यह दुखद घटना हुई। भारत के आतिशबाजी विनिर्माण केंद्र के रूप में प्रसिद्ध शिवकाशी, देश में पटाखों, सुरक्षा माचिस और स्टेशनरी वस्तुओं के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस घटना से हलचल भरे औद्योगिक शहर में मातम छा गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि विस्फोट की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि करीब 1 किमी दूर तक तेज धमाके की आवाज सुनी गई.

महाराष्ट्र के अहमदनगर में बोले पीएम मोदी, आतंकी हमलों में पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रही कांग्रेस

अहमदनगर ०९/०५ (संवाददाता):महाराष्ट्र के अहमदनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इंडी अलायंस की रणनीतियाँ जनता के सामने विफल हो गई हैंए और इससे उत्पन्न निराशा सीमा पार भी देखी जा सकती है! यहां श्टीम एश हार रही है तो सीमा पार कांग्रेस की श्टीम बीश् सक्रिय हो गई है। कांग्रेस को प्रोत्साहित करने के लिए सीमा पार से ट्वीट किए जा रहे हैं और बदले की भावना के तौर पर कांग्रेस पाकिस्तान को आतंकवादी हमलों में क्लीन.चिट दे रही है। 26द्य11 के मुंबई आतंकी हमले को लेकर महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेता का बयान तो बहुत खतरनाक है। ये कांग्रेसी मिलकर अब आतंकी कसाब का पक्ष ले रहे हैं। कांग्रेस के समय विदेश राज्य मंत्री रहे और परिवार के करीबी ने भी कसाब को निर्दोष बता दिया है। ये मुंबई हमले में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों का अपमान हैए ये मुंबई हमले में सभी आतंकियों को मार गिराने वाले सभी सुरक्षा बलों का अपमान हैए ये शहीद तुकाराम ओ बले जैसे शहीदों का अपमान है। इंडी.अघाड़ी का कोई हथकंडा जनता के सामने नहीं चल रहा है। ये हताशा सीमा पार भी दिखाई दे रही है। यहां वाली ए टीम हार रही हैए इसलिए ?कांग्रेस की सीमा पार वाली बी टीम एक्टिव हो गई है। सीमा पार से कांग्रेस का हौसला बढ़ाने के लिए ट्वीट किए जा रहे हैंए बदले में कांग्रेसए पाकिस्तान को आतंकी हमलों में ?क्लीनचिट दे रही है। महाराष्ट्र की धरती पर मुंबई में 26द्य11 का आतंकी हमला पाकिस्तान ने करवाया था या नहीं करवाया थाघ् हमारे जवानों को किसने शहीद किया थाए हमारे निर्दोष लोगों की हत्याएं किसने की थीघ् दुनिया को ये सच मालूम हैए हमारे देश की अदालतें फैसला दे चुकी हैंए यहां तक की पाकिस्तान भी स्वीकार कर चुका हैए लेकिन कांग्रेस पार्टी आतंकियों के बेकसूर होने का सर्टिफिकेट जारी कर रही है। कांग्रेस पार्टी के पूरे घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है। आप खुद देखिये कि एनडीए और कांग्रेस के मुद्दों और एजेंडे में कितना अंतर है। हमारा ध्यान भारत के विकासए कल्याणए सुरक्षाए सुरक्षा और स मान पर है। दूसरी ओरए कांग्रेस के पास इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भी कुछ नहीं है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

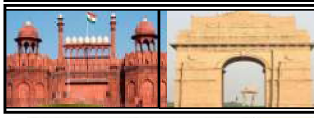

विविध समाचार

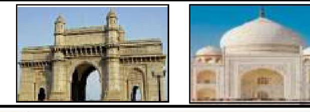

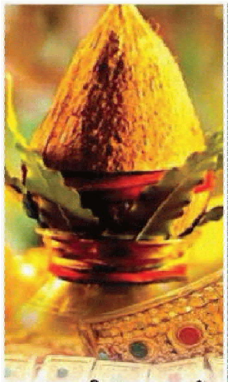

अक्षय तृतीया पर बन रहे दुर्लभ संयोग, इन शुभ समय में करें खरीदारी, बेहद खास है अभिजीत और विकला मुहूर्त

अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है, यह दिन कई मायनों में बेहद शुभ माना गया है. इस दिन नए कार्यों की शुरूआत करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है, साथ ही इस तिथि को खरीदारी के लिए भी अच्छा माना गया है.

अक्षय तृतीया के दिन मांगलिक कार्य किए जाते हैं जैसे विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण, नए कार्यों की शुरुआत या वाहन खरीदी. इन सभी कार्यों के लिए अक्षय तृतीया को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है. अब ऐसे में यदि आप कोई सामान लेने के लिए विचार कर रहे हैं, तो शुभ मुहूर्त की जानकारी आपको होनी चाहिए.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन गजकेसरी योग बन रहा है. गुरु और चंद्रमा की युति वृषभ राशि में हो रही है. जो लोगों के लिए शुभ फलदायी है.

अक्षय तृतीया के दिन खरीदारी का शुभ मुहूर्त

अक्षय तृतीया के दिन 3 प्रहर में आप शॉपिंग कर सकते हैं. कहते हैं शुभ मुहूर्त में यदि वस्तुएं खरीदी जाएं तो ऐसे में जातकों के लिए यह शुभ फलदायी होता है और जीवन की हर परेशानियां खत्म होती हैं.

प्रात:काल मुहूर्त

अभिजित मुहूर्त - सुबह 11.51 बजे से दोपहर 12.45 तक. यह समय खरीदारी करने के लिए बेहद शुभ माना जाता है.

विकला मुहूर्त - सुबह 11.15 से 12.15 तक. ये समय भी वस्तुएं लेने के लिए शुभ होता है.

दोपहर के वक्त शुभ मुहूर्त

ध्रुव मुहूर्त - दोपहर 12.15 से 1.15 तक. इस समय खरीदारी करने से जातक को धन-वैभव में बढ़ोत्तरी होती है.

लाभ मुहूर्त - दोपहर 1.15 से 2.15 तक. इस समय खरीदारी करने से लाभकारी फल मिलते हैं.

शाम का शुभ मुहूर्त

अमृत मुहूर्त - इस मुहूर्त की शुरुआत शाम 6.15 बजे होगी, जिसका समापन 7.15 बजे होगा. इस समय खरीदारी करना बेहद शुभ माना जाता है.

सिद्धि मुहूर्त - इस मुहूर्त की शुरुआत शाम 7.15 बजे से होगी, जिसका समापन 8.15 बजे होगा. इस समय खरीदारी करने से सफलता प्राप्त होती है.

कब है अक्षय तृतीया
पूजा शुभ मुहूर्त और महत्व

अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है। इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार यह तिथि बहुत ही शुभ और महत्वपूर्ण मानी गई है। वैदिक पंचांग के अनुसार अक्षय तृतीया का पर्व हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। अक्षय का अर्थ होता है, जिसका कभी क्षय न हो या फिर जिसका कभी नाश न हो। इस तिथि को अबूझ मुहूर्त माना गया है, यानी इस तिथि पर किसी भी शुभ कार्य और मांगलिक कार्य को करने के लिए मुहूर्त का विचार नहीं करना पड़ता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शुभ पर्व पर किया जाने वाले दान-पुण्य, पूजा-पाठ, जाप-तप और शुभ कर्म करने पर मिलने वाला फलों में कमी नहीं होती है। इस दिन सोने के गहने खरीदने और मां लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया का पावन त्योहार 10 मई को है।

तिथि और पूजा शुभ मुहूर्त

इस वर्ष अक्षय तृतीया का पर्व शुक्रवार, 10 मई को मनाया जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 10 मई को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर होगी। वहीं इस तृतीया तिथि का समापन 11 मई 2024 को सुबह 02 बजकर 50 मिनट पर होगी। उदया तिथि के आधार पर 10 मई को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। अक्षय तृतीया त्योहार पर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 48 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 23 मिनट तक रहेगा।

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है। इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। अक्षय तृतीया तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती हैं। इस पर्व पर स्नान, दान, जप, यज्ञ, स्वाध्याय और तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। शुभ कार्यों को संपन्न करने के लिए अक्षय तृतीया की तिथि बहुत ही खास मानी गई है। इस दिन नई योजना को शुरू करने, नए व्यवसाय, नौकरी, नए घर में प्रवेश करने और शुभ खरीदारी के लिए बहुत ही शुभ माना गया है।

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस तिथि पर बिना मुहूर्त का विचार किए सभी प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है। इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने-चांदी के आभूषण, घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस अबूझ मुहूर्त की तिथि पर व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान-पुण्य,पूजा-पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

ज्योतिषीय महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष अक्षय तृतीया का त्योहार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में भी इस तिथि का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब अक्षय तृतीया का पर्व आता है तब सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में रहते हैं, साथ ही इस तिथि पर चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद होते हैं। माना जाता है इस दौरान सूर्य और चंद्रमा दोनों ही सबसे ज्यादा चमकीले यानी सबसे ज्यादा प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। इस तरह से अक्षय तृतीया पर ज्यादा से ज्यादा प्रकाश पृथ्वी की सतह पर मौजूद रहता है। इस कारण से इस अवधि को सबसे शुभ समय माना जाता है।

व्रत और संपूर्ण पूजा विधि

हिंदू धर्म में सभी तिथियों में अक्षय तृतीया का विशेष तिथि माना गया है। अक्षय तृतीया सर्व सिद्धि मुहूर्तों में से एक मुहूर्त है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की आराधना का विशेष महत्व होता है। अपने और परिवार की सुख- समृद्धि के लिए व्रत रखने का महत्व होता है। अक्षय तृतीया पर सुबह जल्दी उठकर गंगा स्नान या घर में ही गंगाजल मिलाकर स्नान करके श्री विष्णुजी और मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर अक्षत चढ़ाना चाहिए। फिर इसके बाद श्वेत कमल के पुष्प या श्वेत गुलाब, धूप-अगरबत्ती और चन्दन इत्यादि से पूजा अर्चना करनी चाहिए। नैवेद्य के रूप में जौ, गेंहू, या सत्तू, ककड़ी, चने की दाल आदि अर्पित करें। इस दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाएं और उन्हें दान-दक्षिणा करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

अक्षय तृतीया पर्व से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

- अक्षय तृतीया तिथि पर भगवान विष्णु के छटे अवतार भगवान श्री परशुराम जी की जयंती भी मनाई जाती है। भगवान परशुराम को चिरंजीवी माना गया है इस कारण से इस चिरंजीवी तिथि भी कहा जाता है।
- अक्षय तृतीया पर ही सतयुग और त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था।
- भगवान विष्णु के अवतार नर-नारायण और हयग्रीव का अवतरण अक्षय तृतीया तिथि पर ही हुआ था।
- इस तिथि पर ही ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव हुआ था।
- अक्षय तृतीया के दिन ही वेद व्यास और श्रीगणेश द्वारा महाभारत ग्रंथ के लेखन का प्रारंभ किया गया था।
- अक्षय तृतीया के पर्व के दिन ही महाभारत के युद्ध का समापन हुआ।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया की तिथि पर ही मां गंगा का पृथ्वी में आगमन हुआ था।
- इस तिथि पर ही हर वर्ष श्री बद्रीनाथ के कपाट खोले जाते हैं ।
- अक्षय तृतीया तिथि पर ही वृन्दावन के श्री बांकेबिहारी जी के मंदिर में सम्पूर्ण वर्ष में केवल एक बार श्री विग्रह के चरणों के दर्शन होते हैं।
- अक्षय तृतीया तिथि से ही उड़ीसा के प्रसिद्धि पुरी रथ यात्रा के लिए रथों के निर्माण का कार्य शुरू हो जाता है।

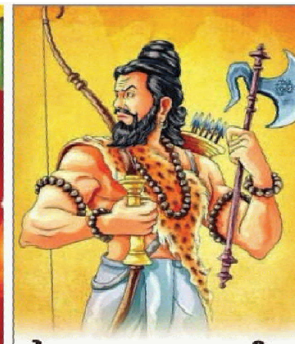

वैशाख शुक्ल तृतीया भगवान परशुराम जयंती

वैशाख शुक्ल तृतीया को परशुराम जयंती एक व्रत एवं उत्सव के रूप में मनाई जाती है। 'भृगुवंश के परशुराम वेदर्षि जमदग्नि एवं इक्ष्वाकू वंश की राजकन्या रेणुका के पुत्र थे। अत: ब्रह्मवर्चस एवं क्षात्रतेज से उद्दीप्त वंश में परशुराम का जन्म हुआ।

परशुराम शंकर को प्रसन्न करने के लिए तपश्चर्या करने गए। उन्होंने अपनी असीम भक्तिसे शिवजी को प्रसन्न कर लिया। इसीलिए शिवजीने उन्हें दिव्य अस्त्रों के साथ-साथ अपना अजेय एवं अभेद्य परशु त्र्यंबकदंड देते हुए आदेश दिया, जाओ आततायी, अनन्य अनाचारी, अत्याचारी, आतंकवादी, आसुरी एवं मदांधों से पृथ्वी को मुक्त करो।' अत: वाल्मीकि ने इसे 'क्षत्रविमर्दन' न कहकर 'राजविमर्दन' कहा है।

अग्रत: चतुरो वेदा: पृष्ठत: सशरं धनु: ।
इदं ब्राह्मं इदं क्षात्रं शापादपि शरादपि ।।

अर्थ - मेरे मुख में चारों वेदों का ज्ञान है तथा पीठपर बाणों का तरकश एवं धनुष्य है। अर्थात क्षात्रतेज एवं ब्राह्मतेज है, इसलिए समय आने पर श्राप से अथवा युद्ध कर संहार करूंगा।

धनुर्विद्याके सर्वोत्तम शिक्षक

एक बार शस्त्र नीचे रखने के पश्चात परशुराम ने क्षत्रियों से बैर भाव छोड दिया। तदुपरांत उन्होंने ब्राह्मण, क्षत्रिय सभी को समभाव से अस्त्र विद्या सिखानी आरंभ की। महाभारत के भीष्माचार्य, द्रोणाचार्य जैसे योद्धा परशुराम के ही शिष्य थे।

दानवीर

परशुराम ने क्षत्रिय वध के लिए जो युद्ध किए, उससे उन्हें संपूर्ण पृथ्वी पर स्वामित्व प्राप्त हो गया था । अश्वमेध यज्ञ कर, अंत में यज्ञ के अध्वर्यु कश्यप ऋषि को परशुराम ने सर्व भूमि दान कर दी ।

भूमि की नवनिर्मिति

महर्षि कश्यप यह जानते थे कि परशुरामजी के इस भूमि पर रहते, क्षत्रिय कुल का उत्कर्ष नहीं होगा ; अत: उन्होंने परशुरामजी से कहा, 'अब इस भूमि पर मेरा अधिकार है । अत: तुम यहां नहीं रह सकते हो।' तब परशुरामजी ने समुद्र हटाकर अपना क्षेत्र निर्माण किया । वैतरणा से कन्याकुमारी तक के भूखंड को परशुराम क्षेत्र की संज्ञा दी गई है।

अक्षय तृतीया को क्यों कहते हैं आखातीज?

पूरे वर्ष में साढ़े तीन अबूझ मुहूर्त होते हैं। पहला चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, दूसरा विजया दशमी और तीसरा अक्षय तृतीया। आधा मुहूर्त कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को रहता है। विभिन्न मतांतर से देवप्रबोधिनी एकादशी को भी अबूझ और पवित्र मुहूर्त में शामिल किया जाता है। अबूझ मुहूर्त का अर्थ होता है कि इन तिथियों के दिन पूरे दिन ही शुभ मुहूर्त रहता है इसलिए मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है। आखा का अर्थ संपूर्ण, छानना छलनी, खुरजी, एक विशेष प्रकार का बर्तन। लेकिन यहां इसका अर्थ कभी न नष्ट होने वाले से है। अविनाशी मुहूर्त या अबूझ मुहूर्त। उपर्युक्त तिथियों को स्वयं सिद्ध मुहूर्त की मान्यता प्राप्त है। इन तिथियों में बिना मुहूर्त का विचार किए नवीन कार्य प्रारम्भ किए जा सकते हैं। इसीलिए अक्षता तृतीया पर अधिकतर लोग विवाह करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से प्रारम्भ किए गए कार्य अथवा इस दिन को किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता।

अक्षय तृतीया सनातन धर्म का प्रसिद्ध त्यौहार है जो लोकभाषा में आखातीज या वैशाख तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हिन्दू धर्म के अलावा जैन धर्म का भी शुभ त्यौहार है। अक्षय तृतीया को भारत और नेपाल में हिन्दुओं व जैनियों द्वारा एक शुभ समय के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किये जाते है, उनका अक्षय फल मिलता है, इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीय कहा जाता है। अक्षय तृतीया तिथि को अत्यंत सौभाग्यशाली माना जाता है।

अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए क्या करें क्या न करें

अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। लोकभाषा में इसे आखातीज या वैशाख तीज भी कहा जाता है। यह पर्व इस बार 10 मई, शुक्रवार को है। त्रेता और सतयुग का आरम्भ भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। लोकभाषा में इसे आखातीज या वैशाख तीज भी कहा जाता है। यह पर्व इस बार 10 मई, शुक्रवार को है। त्रेता और सतयुग का आरम्भ भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। भविष्य पुराण के अनुसार इस दिन स्नान,दान,जप,होम,स्वाध्याय, तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं,वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। आइए जानते हैं कि अक्षय तृतीया पर कौन से कार्य करने से जीवन में खुशहाली आती है।

शुभ कार्य आरंभ

बिना पंचांग देखे भी इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान-पुण्य, पूजा-पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

सोना खरीदना है शुभ

धर्मग्रंथों के अनुसार स्वर्ण में देवी लक्ष्मी का वास माना गया है, इसलिए इस दिन सोने-चांदी के आभूषण खरीदना काफी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे पूरे साल घर में सुख और समृद्धि आती है।

शिव-पार्वती की पूजा

इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से इनकी कृपा बरसती है। समृद्धि और जीवन धन-धान्य से भरपूर होता है और इनकी पूजा से मनुष्य को संतान सुख मिलता है।

वृक्ष लगाएं

इस दिन पीपल, आम, पाकड़, गूलर, बरगद, आंवला, बेल, जामुन व अन्य फलदार वृक्ष लगाने से प्राणी को सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। जिस प्रकार अक्षय तृतीया को लगाए गए वृक्ष हरे-भरे होकर पल्लवित-पुष्पित होते हैं उसी प्रकार इस दिन वृक्षारोपण करने वाला व्यक्ति भी प्रगति पथ की ओर अग्रसर होता है।

सत्तू और नीम की कोपल

इस दिन भगवान श्रीकृष्ण को नैवेद्य में गेहूं, जौ, चने का सत्तू, मिश्री, नीम की कोपल, ककड़ी और चने की भीगी दाल अर्पित की जाती है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए।

दान करें

अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घड़े, कुल्हड़, सकोरे, पंखे, पादुका, चटाई, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूजा, ककड़ी, मिश्री, सत्तू आदि गर्मी में लाभकारी वस्तुओं का दान महापुण्यकारी माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन दान देने वाला प्राणी सूर्यलोक को जाता है। जो इस तिथि को उपवास करता है वह सुख-शांति, ऐश्वर्य और श्री से संपन्न हो जाता है।

ये न करें - अक्षय तृतीया वर्ष के श्रेष्ठतम मुहूर्तों में से एक है। इस दिन किया गया कोई भी शुभ-अशुभ कार्य निष्फल नहीं होता। इसलिए इस दिन कोई भी अप्रिय कार्य नहीं करना चाहिए यदि आप ऐसा करते हैं तो वह उसी रूप में उम्र भर आपका पीछा करता रहेगा। यदि इस दिन महिलाएं उपवास करती हैं तो मान्यता के अनुसार उन्हें यह व्रत करते हुए नमक का पूरी तरह से त्याग करना चाहिए।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शुक्रवार 10 मई 2024

रोहित वेमुला को फिर मिली प्रताड़ना

पहले दो चरणों की तरह इस बार तीसरे चरण भी मतदाताओं के रवैये में उत्साहहीनता और सुस्ती महसूस की गई। ऊपरी तौर पर इसका कारण गर्म मौसम हो सकता हैए मगर हकीकत यह है कि मतदाता सत्ता की बेरुखी से उकता चुका है। प्रधानमंत्री मोदी मतदान के दिन भी चुनाव प्रचार में जुटे थे। और उनके भाषणों में वही हिंदू.मुस्लिम का स्वर प्रधान थाए जो बीते 10 सालों में जनता सुनती आ रही है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कोसते हुए श्री मोदी बता रहे थे कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आ गया तो फिर सारा आरक्षण मुस्लिमों को मिलेगा यानी अजाए जजा और ओबीसी का हक मारा जाएगा। दरअसल जब से कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र जारी किया है और इससे पहले भी राहुल गांधी अपनी यात्राओं और सभाओं में भागीदारी न्याय की बात करते रहे हैंए उसमें भाजपा को डर है कि मुस्लिमों के साथ.साथ आदिवासीए दलित और पिछड़ा समाज भी कांग्रेस के साथ चला जाएगा। इसलिए वे अब हिंदू.मुस्लिम के साथ.साथ हिंदुओं के बीच भी भेद करने में लगे हुए हैं। हालांकि उनके शासन के दौरान दलितों.आदिवासियों पर किस तरह के अत्याचार हुएए इसके उदाहरण मध्यप्रदेश में आदिवासी के सिर पर पेशाब करने और रोहित वेमुला की आत्महत्या जैसी दारुण घटनाओं से समझे जा सकते हैं। रोहित वेमुला अपने जीते.जी जातिगत प्रताड़ना का शिकार हुएए जिससे उन्हें मुक्ति नहीं मिलीए तो उन्होंने आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठाकर खुद को जीवन से मुक्त कर लिया। अब मौत के बाद भी उन्हें इंसाफमिलने की संभावनाएं क्षीण होती नजर आ रही हैं। 17 जनवरी 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र रोहित वेमुला ने आत्महत्या की थी और मौत से पहले एक ऐसा खत छोड़ा थाए जिसमें लिखी बातों से कोई भी संवेदनशील इंसान सिहर जाए। रोहित विज्ञान लेखक बनने की वाहिश रखते थेए चांद.सितारों पर लिखना चाहते थेए लेकिन उनके मुताबिक वो केवल अपनी मौत की चिट्ठी लिख पाए। रोहित वेमुला की मौत बराबरी की बातें करने वाले समाज के मुंह पर एक तमाचा थीए क्योंकि एक संभावनाशील युवा प्रशासनिक और शैक्षणिक व्यवस्था को खोखला करने वाले जातिगत भेदभाव की दीमक का शिकार हो गया था। यह दीमक अब भी उसका पीछा नहीं छोड़ रही है। क्योंकि इस मामले में तेलंगाना पुलिस की जो क्लोजर रिपोर्ट सामने आई हैए उसके मुताबिक़ए रोहित वेमुला की आत्महत्या के लिए कोई भी दोषी नहीं हैए साथ ही इसमें कहा गया है कि रोहित वेमुला श्दलितश् नहीं थेए बल्कि अन्य पिछड़ा वर्ग से थे। रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि रोहित वेमुला को आत्महत्या के लिए किसी ने नहीं उकसाया। यह क्लोजर रिपोर्ट रोहित वेमुला को दोबारा मारने जैसी हैए क्योंकि इसमें रोहित को ही कटघरे में खड़ा करने की नीयत दिखाई दे रही है। रोहित वेमुला को दलित न मानने का तर्क हास्यास्पद लगता हैए क्योंकि हैदराबाद विवि में उनका दाखिला अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र के आधार पर ही हुआ था और उन्हें पीएचडी की सुविधाएं उसी मुताबिक मिल रही थीं। मतलब विश्वविद्यालय प्रशासनए उनके शिक्षक और साथी सभी जानते थे कि रोहित वेमुला दलित थे। उनके साथ इस आधार पर भेदभाव के भी आरोप हैंए जो उनकी मौत का एक अहम कारण था। अब क्लोजर रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि रोहित वेमुला का अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र श्धोखाधड़ीश् से हासिल किया गया था। जिस तरह से यहां धोखाधड़ी शब्द का इस्तेमाल हुआ हैए उससे जाहिर होता है कि उनके साथ हुई नाइंसाफी को सही ठहराने की कोशिश यहां हो रही है। रोहित की मां अनुसूचित जाति से हैं तो साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक रोहित को भी अजा माना जाएगाए क्योंकि सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि अगर पिता या मां में से कोई एक दलित है तो उनका बेटा भी दलित माना जाएगा। रोहित के दोषियों को बचाने की कोशिश क्लोजर रिपोर्ट में नजर आईए क्योंकि इसमें माना गया है कि किसी ने रोहित को आत्महत्या के लिए नहीं उकसाया। जबकि रोहित ने अपनी मौत से पहले जो खत लिखाए उसमें उन्होंने यूनिवर्सिटी में भेदभाव के बारे में साफतौर पर लिखा था और बताया था कि उन्हें भावनात्मक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

चार सौ पार की फांस

अरविन्द मोहन

सोशल मीडिया के परदों के भीतर चलाने वाले खेल को समझने और जानने वालों का दावा है। असल में अभी मोदी समर्थकों के इस विशाल समूह में खुद ही दो फाड़ होने का खतरा है.श्ट्रेड्सश् और श्रायताजश् जैसे नाम वाले खेमों। ट्रेड्स मतलब अत्यधिक परंपरावादी.कट्टरपंथी और श्रायताजश् का मतलब जरा मिलावट की वकालत करने वाले।

अगर इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चार सौ पार के नारे को चुनाव का मु य स्वर बनाने के बाद भी पहले दो चरण के मतदान में गिरावट और उत्साहहीनता के विश्लेषण के क्रम में बहुत सारे लोगों को 2004 चुनाव के पहले के श्इंडिया शाइनिंगश् का नारा याद आता है तो यह कोई हैरानी की बात नहीं है। तब भी कई राज्यों की विधान सभा चुनावों में भाजपा जीती थीए जीडीपी के आंकड़े बड़े चमकीले बताए जा रहे थे और यह लग रहा था कि भाजपा.एनडीए को अगर कुछ सीट काम पड़े तो मुलायम सिंह और शरद पंवार जैसे लोग समर्थन के लिए तैयार हों ही जाएंगे.ज्यादा से ज्यादा सौदेबाजी में कुछ अधिक दाम चुकाना हो। हम जानते हैं कि उस चुनाव में बहुत ही कमजोर कांग्रेस और ठीक से हिन्दी भी न बोल पाने वाली सोनिया गांधी ने इंडिया शाइनिंग की हवा निकाल दी थी। कांग्रेस भाजपा से आगे भी निकल गई थी। पर इस तुलना को ज्यादा आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है। तब के प्रमोद महाजनए जेटलीए आडवाणी जीए जोशी जी जैसे भी कुशल मैनेजर थे लेकिन मोदी.शाह की जोड़ी न थी। इस जोड़ी द्वारा तय सीटों का लक्ष्य कई बार चुनावी अर्थात हार या जीतए पूरा होने या न होने वाला भी साबित हुआ है लेकिन इस बार विपक्ष को जिस स्थिति में ला दिया गया हैए राहुल गांधी और सारे विपक्षी नेताओं की छवि को जिस तरह ध्वस्त किया गया है और भाजपा हर मामले में लीड की स्थिति से शुरूआत कर रही थीए उससे यह तुलना ज्यादा मतलब की नहीं है।

और तुर्रा यह है कि मोदी जी ही एजेंडा सेट करते हैंए अपनी ही पार्टी नहीं बाकी पार्टियों को चलाते दिखते हैं और लगभग अधिकांश विपक्षी नेताओं को उन्होंने किसी न किसी तरह से घेर लिया है। दर्जन भर मु यमंत्रियोंध्पूर्व मु यमंत्रियों से दलबदल कराने के बाद लगभग सारी पार्टियों में टूट.फूट कराई जा चुकी है। कई राज्यों में भाजपा के अंदर मु य नाराजगी इसी बात की हो गई है कि सारे महत्वपूर्ण स्थानों से दलबदलुओं को टिकट दिए गए हैं और सामान्य स्थिति में चुनाव जितवा देने वाले अनेक मुद्दे भाजपा की झोली में हैं। मोदी की गारंटी ही सबसे प्रबल स्वर दिखने लगा था। दूसरी तरफ विपक्ष है अब तक न एक संगठनए न एक मोर्चाए न एक साझा न्यूनतम कार्यक्रमए न एक नेता की तरफ बढ़ने का होश ही नहीं है। क्योंकि हर दल और प्रदेश में टूट.फूट का क्रम अभी भी जारी है और इसमें नेताओं के नाराज होने और पार्टी से अलग कराने के लिए भाजपा के उकसावे या प्रलोभन की भी जरूरत नहीं है। विपक्षी एकता का इंडेक्स आगे बढ़ रहा है या पीछे जा रहा हैए इसकी सुध लेने की भी फुरसत नहीं है।

लेकिन दो कार्यकाल पूरा होने और अच्छे दिन लाने या बालाकोट जैसी घटना जैसा केन्द्रीय मुद्दा न होने से सारी तैयारी बेअसर होती लगती है। मोदी की गारंटी पर जिसको भरोसा है उसको है और जिसको नहीं है उसको होता नहीं दिखता। मतदाताओं में तो उत्साह नहीं ही हैए कार्यकर्ताओं में उससे भी ज्यादा उत्साहहीनता है। मतदान की कमी के पीछे ये कारण हो सकते हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के पास संगठन और कार्यकर्ताओं की पर्याप्त फौज भी नहीं है तो आप उस तरफ की हवा होने का दावा भी नहीं कर सकते। चुनाव प्रो.मोदीए एंटी मोदी ही है। प्रो राहुलए प्रो अखिलेशए प्रो तेजस्वी तो नहीं ही है। और जिन मुसलमानों के मोदी.विरोधी और हर स्थिति में पहले भाजपा को सारा सकने वाले उ मीदवार को तलाशने की उत्सुकता तो है लेकिन उनमें भी पहले की तरह उत्साह से चुनाव में वोट डालने की रिपोर्ट नहीं है। भाजपा का हो या उसके सभी सहयोगी दलों का लगभग हर उ मीदवार मोदी के नाम के सहारे है। सिर्फ उनकी सभाओं और रोड शो की मांग हो रही है। अकेले मोदी जितना कर सकते हैं उतना कर रहे हैं पर हर मीटिंग की हर कुर्सी भरवाना उनका काम नहीं हों सकता।

ऐसे आयोजनों से लेकर मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाना कार्यकर्ताओं का काम है। और यह कहना पर्याप्त नहीं है कि चार सौ पार के नारे से झलकते अति आत्मविश्वास के चलते वे सुस्त पड़ गए हैं कि हमारे न सक्रिय होने पर भी पार्टी जीत ही जाएगी। उनमें पुराने या बार.बार रिपीट होने वाले उ मीदवारों को लेकर एक नाराजगी है तो नए ;और दूसरे दलों से लाकर मैदान में उतारेद्ध उ मीदवारों से ज्यादा नाराजगी है। मतदाता भी एक सीमा से ज्यादा सरकार गिरानेए नेता तोड़नेए विपक्ष की घेरेबंदी को लेकर हैरान है तो कार्यकर्ता भी। लेकिन संघ के लोग और मोदी भक्तों का यह स्वभाव नहीं है। वे हर हाल में जुटते हैं और बिहार विधान सभा या इससे पहले के मध्य प्रदेश चुनाव;2018 वालाद्ध में भाजपा के कार्यकर्ताओं और मैनेजरों ने हारती बाजी पलटी थी। ऐसा कई बार हो चुका है और इस बार भी पहले दौर की तुलना में दूसरे दौर में मतदान का बढ़ाना यह बताता है कि संघ परिवार और मोदी भक्त जोर लगा रहे हैं. संभव है कुछ जोर विपक्ष के मरियल संगठन में पहले दौर की उत्साहवर्द्धक रिपोर्ट से भी आई हो।

सोशल मीडिया के परदों के भीतर चलाने वाले खेल को समझने और जानने वालों का दावा है। असल में अभी मोदी समर्थकों के इस विशाल समूह में खुद ही दो फाड़ होने का खतरा है.श्ट्रेड्सश् और श्रायताजश् जैसे नाम वाले खेमों। ट्रेड्स मतलब अत्यधिक परंपरावादी.कट्टरपंथी और श्रायताजश् का मतलब जरा मिलावट की वकालत करने वाले। और इन्हीं जानकारों का मानना है कि खुद मोदी जैसे लोग रायताज वाले वर्ग में आटे गए हैं क्योंकि उन्हें साध्वी और अनंत हेगड़े जैसों के पक्ष में खड़ा होने का साहस नहीं बचा है। और इन जमातों की बहस से अंदाजा लगता है कि अंदर ही अंदर भारी उथल.पुथल है और इसमें संघ का लगभग पूरा शीर्ष भी रायताज गिना जाने लगा है। अगर भागवत भी आरक्षण और मुसलमानों के पक्ष में बोलने को श्मजबूरश् हों तो उनको भी हमले झेलने के लिए तैयार रहना होगा। पर अनाम या छद्मनाम लोगों के बीच चलने वाली इस गोपनीय सोशल मीडिया की चर्चा आम कार्यकर्ताओं के बीच की अनिश्चितताए दोचित्तापन और उदासीनता के मूल को बताती है और बाहर हर चीज मैनेज करने में सक्षम मोदी जी और उनके सहयोगी इस चीज का प्रबंधन कर कर पाएं यह हैरानी की बात है। यह भी मानी कि यह मैनेज हों सकने वाली चीज है। इसलिए चार सौ पार के नारे को फांस ही नहीं मानिए।

राम भरोसे हिंदू पार्टी

राजेंद्र शर्मा

तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिर तक आतेए आते सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की ये कोशिशें भी भोंथरी हो गई लगती हैं। आरक्षण के मुद्दे पर और संविधान को बदलने के मंसूबों के मुद्दे पर मोदी की भाजपाए आरएसएस सरसंघचालक भागवत को मैदान में उतारने के बावजूदए खुद बचाव पर है। यह भी सभी जानते हैं कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में कोई बदलाव किया ही नहीं जा सकता है।

तीसरे चरण का चुनाव प्रचार थमने के फौरन बादए प्रधानमंत्री मोदी का अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पहुंचनाए न तो अकस्मात था और न संयोग। नरेंद्र मोदी को 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बादए रामलला की याद इसी समय पर क्यों आईए इस पर बेशक अनुमान ही लगाए जा सकते हैं। लेकिनए इस तथ्य को अनेक प्रेक्षकों ने दर्ज किया है कि आधे से ज्यादा चुनाव का प्रचार खत्म हो जाने के बादए प्रधानमंत्री का रामलला की शरण जाना सिर्फ आस्था का मामला नजर नहीं आता है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान ही राम नवमी भी निकली हैए जो अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली ही राम नवमी थी। वास्तव में खुद नरेंद्र मोदी नेए इस राम नवमी के दिनए विशेष रूप से श्राम लला के सूर्यतिलकश् के बहानेए इस मौके की जोर.शोर से याद दिलाई थी।

वास्तव में उन्होंने उस समय असम में अपनी चुनाव सभा में लोगों से सैलफोन टॉर्च की रौशनी कर केए इस सूर्य तिलक में भागीदारी का हास्यास्पद टोटका भी कराया था। बहरहालए राम नवमी पर नरेंद्र मोदी अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए नहीं गए। वह अयोध्या पहुंचे तो तीसरे चरण की 93 सीटों के लिए भी प्रचार खत्म हो जाने यानी व्यावहारिक मानों में आधा चुनाव खत्म हो जाने के बाद।

जाहिर है कि नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम कोई अचानक नहीं बन गया होगा। इसलिएए इस संभावना को आसानी से नकारा नहीं जा सकता है कि पहले से नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम इस तरह बनाया गया होगाए जिसमें चुनाव के बीचों.बीच मंदिर में अपने साष्टांग दंडवत और उसके बाद के रोड शो सेए वह खासतौर पर मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा और आम तौर पर मंदिर निर्माण के श्रेय के अपने दावे की याद ताजा कर सकें। श्जो लाए हैं राम कोए हम उनको लाएंगेश् के नारों के लिए एक बार फिर मौका बना सकें। लेकिनए अगर वाकई ऐसा हो तब भीए सब कुछ मोदी की स्क्रिप्ट के हिसाब नहीं चल रहा लगता है। इसलिएए असंभव नहीं है कि राम नवमी को मिस करने के बादए चुनाव के बीचों.बीच मोदी के अयोध्या दौरे की योजना बाद मेंए कुछ हड़बड़ी में बनाई गई हो।

वैसे सब कुछ पूर्व.योजना के ही अनुसार हुआ हो तब भीए मोदी के अयोध्या में ढोग लगाने की अर्जेंसी कितनी बढ़ गई थीए इसका कुछ अंदाजा तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिर तक आते.आतेए विपक्ष के खिलाफ हिंदुओं को भड़काने के लिए खुद मोदी और उनकी देखा.देखी अन्य सभी भाजपा नेताओं केए सबसे बढ़कर राम और राम मंदिर की दुहाई का सहारा लेने से लग जाता है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि तीसरे चरण के प्रचार के आखिर तक आते.आतेए उनके प्रचार से मोदी की गारंटियां तक गायब हो गई हैं और प्रचार के केंद्र में इसके दावे आ गए हैं कि मोदी और उनके गठजोड के विरोधीए राम.विरोधी हैं। उन्होंने प्राण.प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण ठुकरा कर राम का अपमान किया था और अबए कांग्रेस से दलबदल करा कर भाजपा में शामिल किए गएए उसके एक.दो प्रवक्ताओं के बयानों के बहाने से यह भी कि विरोधी तोए रामलला के दर्शन करने जाने वालों को दंडित कर रहे हैं। और आदित्यनाथ की एकदम ताजातरीन खोज यह भी कि अगर इंडिया गठबंधन वाले सत्ता में आ गएए तो ये राम मंदिर के निर्माण को ही पलटवा देंगे! हैरानी नहीं होगी कि कल को इससे एक कदम आगे जाकरए वे यह प्रचार करना शुरू दें कि उनके विरोधियों की सरकार आ गई तोए राम मंदिर को तुड़वा कर दोबारा वहां बाबरी मस्जिद बनवा देंगे!

किसी से छुपा हुआ नहीं है कि पूरी तरह से राम भरोसे हो जाने की मंजिल तक मोदी की भाजपा का प्रचार अभियानए इस बार का चुनाव जैसे.जैसे आगे बढ़ता गया हैए वैसे.वैसे पहुंचा है। अलबत्ताए उसका प्रचार अभियान चुनाव के हरेक चरण के साथए ज्यादा से ज्यादा राम भरोसे होता गया है।

जाहिर है कि पहले चरण के मतदान से पहले तक राम मंदिर बनाने की दुहाई थी जरूरए लेकिन उससे ज्यादा नहीं तो उतना ही शोर मोदी की गारंटियों का और पांच साल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना देने से लेकरए 2047 तक विकसित भारत बनाने के दावोंध्वादों का भी था। लेकिनए पहले चरण के मतदान मेंए 2019 के मुकाबले करीब 6 फीसद की कमी की खबर आते ही ;हालांकि चुनाव आयोग ने कई दिन बाद मतदान का आंकड़ा बढ़ाने हुए इस कमी को आधा ही कर दियाद्ध और यह साफ होते ही सब कुछ के बाद भी कम से कम मोदी के हक में इकतरफा वोट नहीं पड़ रहा है बल्कि मोदी का रंग पिछले आम चुनाव के मुकाबले उतार पर ही हैए मोदी एंड कंपनी की भाषा बदल गई। अब गारंटियांए वादे वगैरह तो सब पीछे छूट ही गएए राम मंदिर में आस्था.अनास्था की दलीलों को भी नाकाफी मानकरए सीधे.सीधे धार्मिक दुहाई के सांप्रदायिक रूप का सहारा लेकर विपक्ष पर हमला करने का सहारा लिया गया।

इस तरहए पहले और दूसरे चरण के बीच के दौर में मोदी पार्टी जोर.शोर से कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र के नाम पर सरासर झूठ बोलते हुएए इसका प्रचार करने में लगी हुई थी कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार आ गई तोए लोगों की संपत्तियों को छीनकर बांट दिया जाएगा। खुद नरेंद्र मोदी ने इसे मंगलसूत्र छीनकर बांट देंगेए घर का गहना.जेवर छीनकर बांट देंगेए नकदी जब्त कर के बांट देंगेए जमीन बांट देंगे और यहां तक कि घर में चार कमरे होंगे तो दो कमरे छीन बांट देंगेए दो भैंसें होंगी तो एक भैंस छीनकर बांट देंगे के हास्यास्पद स्तर तक पहुंचा दिया। लेकिनए भीषण गरीबी और बदहाली के मारे इस देश मेंए श्संपत्तियांश् बांटे जाने का डर अपने आप में तो बहुत ज्यादा कारगर नहीं हो सकता थाए हालांकि खरबपतियों की यारए सूट.बूट की सरकार चला रहीए दुनिया की सबसे मालदार मोदी पार्टी कोए संपत्तियों के पुनर्वितरण के रत्तीभर इशारे मेंए प्राणांतक खतरा दिखाई देना स्वाभाविक था। आखिरकारए पुनर्वितरण की कोई भी बात चलेगीए तो मोदी के खरबपति मित्रों तक ही जाएगी.

जिनके चंदों ने मोदी की भाजपा को भी सबसे अमीर पार्टी बना दिया है। मोदी की भाजपाए जो इन अरबपतियों के ज्यादा से ज्यादा दौलत बटोरने को ही श्विकासश् मानती है और उन्हें ही श्संपदा निर्माताश् बताती हैए उनसे कुछ भी लिए जाने को सहन ही नहीं कर सकती है। लेकिनए उनके दुर्भाग्य से घोर दरिद्रता झेल रहा आम भारतीयए इसमें उसके साथ नहीं हो सकता है।

इसीलिएए पुनर्वितरण के इशारों को पूरी तरह से पलटने के लिए मोदी एंड कंपनी ने इसे पूरी तरह से सांप्रदायिक रूप देते हुएए श्मुसलमानों को बांट देंगेश् का मामला बना दिया! बेशकए आगे चलकर मुसलमान शब्द का इस्तेमाल छोड़करए विपक्षियों के श्तुष्टीकरण वाले वोट बैंकश्ए श्जेहादी वोट बैंकश् आदि कर दिया गयाए लेकिन इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं छोड़ी गई कि इशारा मुसलमानों की ओर है।

दूसरे चरण के मतदान में भी 2019 के मुकाबले गिरावट से इसकी पुष्टि होने के बाद कि अगर कोई हवा चल रही हैए तो मोदी एंड कंपनी के खिलाफ ही चल रही हैए इन मुस्लिम.विरोधी दावों को आम हिंदुओं के बीच विश्वसनीय बनाने की कोशिश मेंए बांटने के उक्त दावों को अनुसूचित जातियोंए जनजातियों और पिछड़े वर्ग के श्आरक्षण को छीन लेंगेए बांट देंगेश् की ओर बढ़ा दिया गया। कर्नाटक समेत दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में और बिहार में भीए अन्य पिछड़ा वर्ग के हिस्से के तौर पर मुसलमानों को कई दशकों से हासिल जिस आरक्षण पर कर्नाटक में विधानसभाई चुनाव से ऐन पहले मोदी की भाजपा ने विवाद खड़ा किया था और जिस आरक्षण को खत्म करने की उसकी सरकार की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया थाए उसी आरक्षण की कांग्रेस सरकार द्वारा बहाली कोए खासतौर पर अन्य पिछड़े वर्ग के हिंदुओं के बीच मुस्लिमविरोधी उन्माद जगाने की कोशिश की गई। बहरहालए तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिर तक आतेए आते सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की ये कोशिशें भी भोंथरी हो गई लगती हैं। आरक्षण के मुद्दे पर और संविधान को बदलने के मंसूबों के मुद्दे पर मोदी की भाजपाए आरएसएस सरसंघचालक भागवत को मैदान में उतारने के बावजूदए खुद बचाव पर है। यह भी सभी जानते हैं कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में कोई बदलाव किया ही नहीं जा सकता है। ऐसे में पिछड़े वर्ग में पिछड़े मुसलमानों के आरक्षण के पहले से चले आते प्रावधान को मुद्दा बनाकरए ध्रुवीकरण के लिए कोई खास लाभ हासिल करना मुश्किल हैए जबकि बेरोजगारीए महंगाईए गरीबी जैसी ज्वलंत चिंताएं मतदाताओं के सामने मुंह बाए खड़ी हैं। इसी पृष्ठभूमि में आधा चुनाव अपने हाथ से निकल गया देखकरए मोदी की भाजपा पूरी तरह से राम भरोसे हो गई है।

नरेंद्र मोदी इसीलिएए दौड़े.दौड़े रामलला को दंडवत प्रणाम करने पहुंचे हैं। इसी दौरानए उत्तर प्रदेश के मु यमंत्री आदित्यनाथ ने मोदी के मंदिर अभियान को और स्पष्ट सांप्रदायिक दिशा में आगे बढ़ाते हुएए हिंदुओं को डराना शुरू कर दिया है कि इंडिया गठबंधन की सरकार आ गई तो हिंदुओं पर श्जजियाश् लगा देंगेए बने.बनाए मंदिर को पलटवा देंगेए आदि आदि। इसी बीच मोदी की पार्टी के चुनाव प्रचार में पाकिस्तान की एंट्री तो हो ही चुकी है.कि इंडिया गठबंधन की जीत से पाकिस्तान खुश हो जाएगा। खैर! पाकिस्तान की खुशी.नाखुशी अपनी जगहए गौर करने वाली बात यह है कि चार सौ पार के दावे छोड़कर मोदी एंड कंपनी ने अब लोगों को इसका डर दिखाना शुरू कर दिया है कि इंडिया गठबंधन आ जाएगा!

विविध समाचार

हेमंत सोरेन की बहन को मिला झामुमो से टिकट, ओडिशा की मयूरभंज सीट से चुनावी मैदान में उतारा

रांची ०९/०५ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण खत्म हो गए। ओडिशा में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के लिए झारखंड के पूर्व मु यमंत्री हेमंत सोरेन की बहन और शिबू सोरेन की बेटी अंजनी सोरेन को झामुमो से फिर टिकट मिला है।

शिबू सोरेन की बेटी अंजनी सोरेन लोकसभा चुनाव में फिर से अपनी किस्मत आजमाएंगी। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से हेमंत सोरेन की बहन अंजनी को ओडिशा की मयूरभंज सीट से प्रत्याशी बनाया गया है।

ओडिशा में चौथे चरण से मतदान शुरू होगा। बता दें कि अंजनी सोरेन को पार्टी की ओर से पिछले 2019 लोकसभा चुनाव में भी मयूरभंज सीट से टिकट दिया गया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में अंजनी सोरेन को 1ए35ए552 वोट मिले थे और तीसरे नंबर पर रही थीं। इस सीट से भाजपा के बिशेश्वर टुडू को इस सीट से जीत मिली थी।

वहीं इस लोकसभा चुनाव में भी झामुमो ने अंजनी सोरेन को मयूरभंज सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। इस बार अंजनी सोरेन का भाजपा के नबा चरण मांझी के साथ मुकाबला होगा।

ओडिशा की मयूरभंज सीट एक अहम लोकसभा सीट है। इस क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति की बहुलता है। यह जिला झारखंड की सीमा से भी लगती है।

6 साल में 40 एकड़ जला दलमा, जड़ी बूटियों व जीव जंतुओं को नुकसान

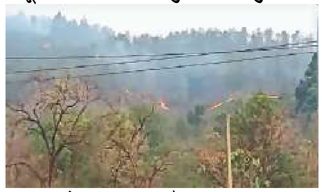

जमशेदपुर ०९/०५ (संवाददाता): हाथियों के लिए संरक्षित दलमा में हर साल गर्मी के मौसम में आग लगती है। बसंत ऋतु में दलमा अभयारण्य के किसी न किसी हिस्से में रोजाना आग लगने की घटनाएं होती है। पिछले छह सालों में दलमा में लगभग 40 एकड़ जंगल को नुकसान हुआ है। इस साल दलमा रेंज के कांठजोड़ए खोकरोए डांगरडीहए कदमडीहए आसनबनी और कुमरुम टोला के पास करीब 5 एकड़ भूमि जल चुकी है। आग से दलमा में जड़ी.बूटियोंए कई प्रकार के पेड़.पौधों और जीव.जंतुओं को नुकसान हुआ है।

आग बुझाने के लिए दलमा प्रशासन के पास दमकल की व्यवस्था नहीं है। 50 फायर ब्लोअर और 55 फायर ट्रैकर के भरोसे दलमा प्रशासन है। 55 फायर ट्रैकर हाथ में झाड़ी या पेड़ की डाली लेकर आग बुझाते हैं। फायर ट्रैकरों को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। फायर ब्लोअर का इस्तेमाल ज्यादातर समतल इलाके में आग बुझाने के लिए होता है। फायर ब्लोअर मशीन को चलाकर सूखी पत्तियों को हटाकर एक रास्ता बनाया जाता है जिससे आग आगे ना बढ़ पाए।

रांची में क्यों हो रहा इतना पावर कट, बिजली विभाग ने बताई बड़ी वजह, अब डोर.टू.डोर होगा सर्वे

रांची ०९/०५ (संवाददाता): राजधानी में जैसे.जैसे गर्मी बढ़ रही है। वैसे.वैसे शहर में बिजली की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है। पिछले एक सप्ताह में शहर के वीवीआईपी क्षेत्रों को छोड़कर दूसरे सभी क्षेत्रों में लोड शेडिंग की समस्या जारी है। कई क्षेत्रों में दो घंटे से अधिक तक बिजली काटी जा रही है।

विभाग इसे लोकल फोल्ट बता रहा है। वहीं इधरए शहर में बढ़ती गर्मी और उमस के साथ लो.वोल्टेज की समस्या ने लोगों को परेशान कर रखा है। लो.वोल्टेज के कारण मोटर नहीं चल पा रहा हैए जिससे पानी की भी समस्या पैदा हो जा रही है।शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्र कडरूए हिंदपीढ़ीए केतारी बगानए चुटियाए मौलाना आजाद बस्ती कांटाटोलीए डोरंडा मनीटोलाए सिरमटोली चौकए जगन्नाथपुरए बरियातू हाउसिंग कालोनीए हरमू करम चौकए विद्यानगर समेत आसपास के क्षेत्रों में लो.वोल्टेज के मामले सामने आ रहे हैं।

विभाग राजधानी में लो.वोल्टेज की समस्या का कारण लोड से ज्यादा बिजली की खपत मान रहा है। विभाग के महाप्रबंधक पीके श्रीवास्तव ने बताया कि लोग बिना सूचना के व कनेक्शन का लोड बढ़ाए डेढ़ से दो टन के एसी का उपयोग कर रहे है। जल्द ही लोड से संबंधित सर्वे घर.घर किया जाएगा। कार्रवाई भी की जाएगी।राजधानी के आसपास के क्षेत्रों में बिजली कट की समस्या जारी है। छोटे औद्योगिक क्षेत्र बिजली कटौती से हलकान हैं। नामकुमए अनगड़ाए बेड़ोए राहेए मांडरए ओरमांझीए टाटीसिलवेए तुपुदानाए कांके समेत आसपास के क्षेत्रों में परेशानी जारी है। वहीं इंटरनेट कैफेए फोटो कापीए स्टेशनरीए राशन की दुकानों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष - आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ - गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी - व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह - आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या - गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला - गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक - आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु - गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर - आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ - गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन - आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

हजारीबाग में 14 साल से अूधरा है अस्पताल, 3.60 करोड़ रुपए से बनना था अस्पताल

हजारीबाग ०९/०५ (संवाददाता):हजारीबाग में मातृ.शिशु कल्याण के अधूरे अस्पताल पर छह साल से दूसरे लोगों ने कब्जा कर रखा है। यही नहीं लोगों ने अपने नाम पर बिजली कनेक्शन भी ले लिया है।

परए स्थानीय प्रशासन उसे हटा नहीं पाया। उल्टा कब्जे को लेकर लोगों में लाठी.डंडे चल रहे हैं। एसपी और सिविल सर्जन के आवास के पीछे महिलाओ और बच्चों के लिए 3०60 करोड़ से सरकारी मातृ शिशु कल्याण अस्पताल बनना था। पर अधूरा निर्माण छोड़कर इंजीनियर 56 लाख रुपए लेकर भाग गया। उसके खिलाफकोर्रा थाने में केस भी दर्ज है।

भ्रष्टाचार की वजह से तीन एकड़ जमीन पर 14 साल में अस्पताल का निर्माण नहीं हो पाया है। इस अधूरे अस्पताल में लोगों ने 20 से अधिक लैट बनाए हैं। इस पर लोगों का करीब 6 साल से कब्जा है। सरकारी भवन पर शहर के अलावा अब ग्रामीण भी दावा ठोक रहे हैं। बुधवार शाम को कब्जे के लिए लोगों में जमकर लाठियां चलीं। मारपीट में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। मामला कोर्रा थाने तक पहुंचा। लेकिन बीच.बचाव करते हुए पुलिस ने मामले को रफा.दफा करा दिया।

भवन के निर्माण में तत्कालीन 2 सहायक अभियंता सुनील कुमार और देवदर्शन सिंह ने 1.50 करोड़ रुण् अग्रिम निकासी की थी। इसमें 92.61 लाख रुण् का काम हुआ। बाकी 56 लाख लेकर अभियंता फरार हो गए। अभियंता सुनील कुमार 40 लाखए कनीय अभियंता महेंद्र प्रसाद सिंह 7.72 लाख और रवींद्र कुमार वर्मा ने 9.66 लाख रुपए रखा है। अभियंताओ पर वसूली के लिए कोर्रा थाने में केस भी दर्ज कराया गया है।

5 जुलाई 2016 को नीलाम पदाधिकारी के यहां नीलामपत्र वाद दायर भी किया गया है। वहींए अस्पताल के अधूरे भवन को कब्जाधारियों ने स्थायी भवन बना लिया है। इसमें बंदोबस्त विभाग के कर्मचारी भी शामिल हैं।

मामले की जांच तत्कालीन कार्यपालक अभियंता सुशील झा ने की थी। उन्होंने रिपोर्ट में बताया था कि सहायक अभियंता और उनके सहयोगियों ने 1.48 करोड़ रुपए निकाल लिए। विभागीय जांच में पाया गया मात्र 92 लाख रुपए का काम हुआ। इधरए हजारीबाग के सिविल सर्जन डॉण् एसपी सिंह ने कहा कि मातृ.शिशु अस्पताल महत्वाकांक्षी योजना थी। इसके बनने से मेडिकल कॉलेज पर महिला और बच्चों के इलाज का लोड कम हो जाताए लेकिन निर्माण रुका हुआ है। अतिक्रमण से संबंधित लिखित जानकारी पदाधिकारियों को दी गई है। मैं फिर से रिमाइंडर करने जा रहा हूं।

2 शौचालय की मरम्मत 20 लाख में, टेंडर से बचने के लिए किस्तों में बनवाया

रांची ०९/०५ (संवाददाता):डीएसपीएमयू में बिना टेंडर के दो शौचालय की मर मत पर करीब 20 लाख रुपए खर्च कर दिए गए। नियम की अनदेखी कर मर मत कार्य कराने के चलते संवेदक को अभी तक भुगतान नहीं हो सका है।

सोमवार को कमिश्नर सह प्रभारी कुलपति डॉण् नितिन मदन कुलकर्णी की अध्यक्षता में हुई सिंडिकेट की बैठक में सदस्यों ने बिना टेंडर के काम कराने और दो शौचालय की मर मत पर बड़ी राशि खर्च किए जाने पर सवाल उठाए।

तय हुआ कि भवन निर्माण विभाग की टेक्निकल कमेटी से जांच कराई जाएगीए ताकि पता चल सके कि शौचालय निर्माण पर वास्तव में कितनी राशि खर्च हुई थी। बताते चलें कि कई किस्तों में शौचालय का निर्माण किया गया थाए ताकि टेंडर न निकालना पड़े। बैठक में प्रभारी वीसी के अलावा रजिस्ट्रार डॉण् नमिता सिंहए डीएसडब्ल्यू डॉण् एके महतोए डॉण् मोण् अयूबए डॉण् के कांदिर समेत अन्य सदस्य थे। सिंडिकेट में चार शिक्षकों को 40 हजार रुपए मानदेय देने का मामला भी उठा। सदस्यों ने कहा कि नियम विरुद्ध नियुक्ति होने पर आठ कर्मियों को हटा दिया गया है। ऐसी स्थिति में इन चार शिक्षकों को भी हटाएं। सिंडिकेट में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर तीन सदस्यीय कमेटी गठित करने पर सहमति बनी।

राज्य सरकार के खाते से डीवीसी सीधे पैसे न काटे, बकाया जीएसटी भी दे-सीएम

रांची ०९/०५ (संवाददाता):मु यमंत्री हेमंत सोरेन ने नीति आयोग से कहा कि केंद्र झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। और राज्य के बीच बेहतर समन्वय से ही विकास की गति तेज की जा सकती है। उन्होंने जीएसटीए कोयला और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों पर बकाए का मुद्दा उठाया और भुगतान पर जोर दिया।

कहा कि कोयला कंपनियों को खनन के लिए मिली जमीन का रेंट सरकार को मिलना चाहिए।डीवीसी के बकाए की सीधी कटौती पर कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। डीवीसी के बकाया भुगतान के लिए हुए त्रिपक्षीय समझौते को रद्द कर समीक्षा हो। बैठक में नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल के नेतृत्व में आई 8 सदस्यीय टीम के साथ केंद्र के कई मंत्रालयों के अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

पलामू पुलिस ने कोढ़ा गैंग के 5 अपराधियों को पकड़ा

पलामू ०९/०५ (संवाददाता): झारखंड के पलामू जिले की पुलिस को बड़ी सफ्लता मिली है। पुलिस ने कोढ़ा गैंग के 3 अपराधियों को गिर तार किया है। इनकी मदद करने के आरोप में 2 स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गए अपराधियों में से 2 बिहार के रहने वाले हैं। वहीं 1 अपराधी छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। स्थानीय लोगों में 1 महिला और 1 पुरुष हैं। यह सभी बिहार के कटिहार के कोढ़ा गांव के रहने वाले गिरोह के सरगना वासुदेव नट के लिए काम करते थे। पुलिस ने इनके पास से 2 फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक तथा 37 पुड़िया खुजली का पाउडर बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक पलामू चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पकड़े गए अपराधियों में से एक कोढ़ा गैंग के सरगना वासुदेव नट का दामाद है। गिरोह का सरगना लूट की घटनाओं के लिए बिहार तथा छत्तीसगढ़ से अपराधियों तथा अपने रिश्तेदारों को बुलाता है। यह सभी लोग अलग.अलग जिलों में रहकर पहले रेकी करते हैं। इसके आधार पर घटनाओं को अंजाम देते हैं। पलामू में भी इसी पैटर्न पर काम चल रहा था। इस काम में 2 स्थानीय लोग इनकी मदद कर रही थे। गिरोह के सरगना का इन लोगों के यहां लगातार आना.जाना लगा रहता था।

बताया गया कि इस गिरोह के लोग बैंक से रुपए निकाल कर जाने वालों का पीछा करते है। इसके बाद अपने साथियों के सहयोग से उसका रुपया छीन लेते है। इसमें रेकी करनेए पीछा करने एवं खुजली पाउडर डालने वाला टीम 1 बाइक पर तथा रुपये की छिनतई करने वाली टीम दूसरे बाइक पर रहती है। घटना के समय आपस में बातचीत करने के लिए सभी लोग फर्जी सिमकार्ड का इस्तेमाल करते है।

वारदात को अंजाम देने के बाद मोबाइल को बंद कर देते हैं। घटना में प्रयुक्त बाइक बिहार से चोरी कर लाई जाती है। पलामू में दिसंबर माह में एक के बाद एक दो वारदातों को अंजाम दिया गया। ब्ब्ज्टकी मदद से पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इसमें यह अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पकड़े गए तीनों अपराधी 1 माह पहले ही पलामू आए थे। वहीं 1 अपराधी छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। स्थानीय लोगों में 1 महिला और 1 पुरुष हैं। यह सभी बिहार के कटिहार के कोढ़ा गांव के रहने वाले गिरोह के सरगना वासुदेव नट के लिए काम करते थे। पुलिस ने इनके पास से 2 फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक तथा 37 पुड़िया खुजली का पाउडर बरामद किया है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, शुक्रवार 10 मई 2024 | पृष्ठ-6

दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा आ रहे हैं पीएम मोदी, आज भुवनेश्वर में करेंगे रोड शो

भुवनेश्वर ०९/०५ (संवाददाता):प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। चुनाव प्रचार के तहत ओडिशा का यह उनका दूसरा दौरा है। मोदी शुक्रवार रात भुवनेश्वर में रोड शो करेंगे और राजभवन में रात बिताएंगे।

वह शनिवार सुबह कंधमालए बलांगीर और बरगढ़ में तीन विजय संकल्प रैलियों को संबोधित करेंगे। मोदी के दौरे को लेकर भाजपा खेमा कमर कस ली है।

भाजपा नेता और कार्यकर्ता सभी चार संसदीय क्षेत्रों में मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। राज्य पुलिस की ओर से भी पूरी तैयारी कर ली गई है। रात करीब आठ बजे हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद मोदी सीधे जनपथ स्थित भाजपा कार्यालय आएंगे।प्रधानमंत्री का रोड शो रात 8ए30 बजे शुरू होगा। मोदी जनपथ से वाणी विहार चौक तक 2ए5 किलोमीटर के मार्ग पर रोड शो करेंगे। मोदी के सड़क पर करीब छह स्थानों पर अपने वाहन से उतरकर सड़क किनारे लोगों से बातचीत करने की भी योजना हैं।

हालांकिए छह स्थानों पर वाहन से उतरने का कार्यक्रम हैए मोदी अन्य स्थानों पर भी उतर सकते हैं। सभी को तैयार रहने के लिए कहा गया है क्योंकि प्रधानमंत्री गाड़ी के बजाय पैदल भी लंबा सफर तय करेंगे। मीडियाकर्मियों के लिए एक विशेष मंच स्थापित किया गया है क्योंकि सड़क को पूरी तरह से सील करने की योजना है। वे कहीं भी होंए समाचार एकत्र कर सकते हैं। इसके साथ ही जनपथ को पूरी तरह से सजाया गया है ।

सड़क किनारे भाजपा कार्यालय और वाणी विहार के बीच 10 स्थानों पर दस आइकन लगाए जा रहे हैं। कोणार्क चक्र को भाजपा पार्टी कार्यालय के सामने रखा जा रहा है। वाणी विहार चौराहे पर खंडगिरी धरोहर स्थापित की जा रही है।

बीएमसी कार्यालयए आईडीबीआई स्क्वायरए रूपाली चौराहाए सत्यनगर आदि प्रमुख चौराहों पर प्रसिद्ध धरोहर और कला स्थापित किया गया है। कहा जा रहा है कि यह धरोहर और कलाकृति आकर्षण का केंद्र बनेगी क्योंकि इसमें लाखों लोगों के जुटने की उ मीद है।

इसके साथ ही मोदी को ओडिशा के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर ले जाने की योजना है। मोदी के स्वागत में झांजए मृदंगमए धुडूकीए दस्कठिया आदि पारंपरिक वाद्ययंत्र भी इस शोभा को बढ़ाएंगे। इसमें कई लोक नृत्य भी होंगे।

हालांकिए जुलूस के मु य आकर्षण में से एक 150 महिलाएं होंगी जो पशापाली साड़ियों में मोदी के साथ चलेंगी। ओडिशा के बरगढ़ जिले में बुनी गई इस बुनाई साड़ी में पाशा के खेल की पाली होगी। इससे इस शोभायात्रा को पारंपरिक रूप भी मिलेगा।

महिलाओं की रिहर्सल की गई है। उन्होंने चलने का अ यास किया है। ओडिशा में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान के तहत मोदी का यह पहला रोड शो है और पार्टी ने इसे सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां की हैं।

ओडिशा विधानसभा चुनाव में उठा बेरोजगारी और पलायन का मुद्दा, पटनायक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

भुवनेश्वर ०९/०५ (संवाददाता): निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही ओडिशा में लोकसभा की 21 सीटों के साथ ही विधानसभा की 147 सीटों पर चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। वैसे तो विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के द्वारा एक.दूसरे पर तमाम मुद्दे उठाए जा रहे हैं। राज्य विधानसभा चुनाव में बेरोजगारीए कानून.व्यवस्थाए चिटफंड और खनन घोटाले और भ्रष्टाचार के मुद्दे अहम होने वाले हैं। बता दें कि राज्य में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ने 24 साल पूरे कर लिए हैं।

बीते पांच सालों में बीजद ने विभिन्न विधेयकों और नीतियों के केंद्र की मोदी सरकार का समर्थन किया है। यहां तक की संसद के पटल पर खुले तौर पर घोषणा की है। ऐसे में बीजद का विपक्षी भाजपा पर निशाना साधने का हथियार कुंद पड़ता नजर आता है। विपक्षी बीजेपी ने घोषणा कर दी है कि वह श्उड़िया अस्मिताश् के मुद्दे पर चुनावी मैदान में उतरेगी। ऐसे में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद की मुश्किलें बढ़ने की संभावना है। आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों के लिए राज्य में बेरोजगारी और पलायन का मुद्दा काफी अहम है। बीजेपी और कांग्रेस के मुताबिक नवीन पटनायक की सरकार राज्य में 24 साल से सत्ता पर काबिज है। लेकिन इसके बाद भी सत्तारूढ़ सरकार राज्य से युवाओं के पलायन को रोकने में विफल हो रही है। विपक्ष राजनीतिक दलों के अनुसारए राज्य सरकार पुरुषों व महिलाओं को रोजगार देने में भी फेल हो रही है। वहीं हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सीएम पटनायक पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य न सिर्फ विकास से वंचित हैए बल्कि यहां पर श्संकटग्रस्त प्रवासनश् एक प्रमुख मुद्दा है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को एक बार भाजपा को 5 साल के लिए मौका देना चाहिए। क्योंकि राज्य के तमाम युवा काम की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद राज्य से किसी को पलायन की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भाजपा नेता को बताना चाहिए कि उन्होंने ओडिया भाषा के लिए क्या किया है-पांडियन

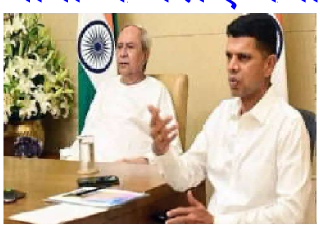

भुवनेश्वर ०९/०५ (संवाददाता): फाइव टी तथा नवीन ओडिशा अध्यक्ष वी कार्तिक पांडियन ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। भाजपा पर निशाना साधते हुए पांडियन ने कहा कि जब चुनाव आते हैंए उन्हें ओडिशा और ओडिया भाषा से प्यार हो जाता हैए लेकिन चुनाव के बाद वे भूल जाते हैं। ओडिया अस्मिता की बात करने वाले भाजपा नेता को बताना चाहिए कि उन्होंने ओडिया भाषा के लिए क्या किया है।

वीके पांडियन ने आग यह भी कहा कि ओडिशा सरकार ओडिया भाषा के लिए बहुत कुछ कर रही है। ओडिया भाषा स मेलन आयोजित करके ओडिया भाषा को बढ़ावा दे रही है।

ओडिया भाषा के लिए बच्चों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। ओडिया विश्वविद्यालय बनाया गया है। लेकिन केंद्र में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने ओडिया भाषा के लिए एक पैसा भी नहीं दिया।

पांडियन ने सवाल किया कि धमेंद्र प्रधान ने ओडिशा के लिए क्या कियाघ् जब वह 10 साल तक केंद्र में मंत्री रहे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मैंने ओडिशा के हित के बारे में केंद्रीय मंत्री से जो कुछ भी पूछा हैए केंद्रीय मंत्री ने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया है। उन्होंने अपने गृह क्षेत्र ढेंकानाल के लिए क्या किया हैए जहां से वह 10 साल से टिकट पाने के लिए प्रयास कर रहे थे। ओडिशा की तो बात ही छोड़ दीजिएघ् पांडियन ने यह भी सवाल किया कि उन्होंने अपने गांव के लिए क्या किया है।उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता में आए 10 साल हो गए हैंए लेकिन उन्होंने एक पैसा भी नहीं दिया। उन्होंने ओडिया भाषा की उपेक्षा की। उन्होंने संस्कृत को 1ए000 करोड़ रुपयेए तमिल को 80 करोड़ रुपये दिएए लेकिन ओडिशा और ओडिया भाषा को नजरअंदाज कर दिया।

पांडियन ने यह भी कहा कि राज्य की जनता ने भाजपा के आठ सांसदों को जितायाए लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। केंद्र सरकार द्वारा अन्य शास्त्रीय भाषाओं को अनुदान दिए जाने के बावजूद भाजपा सांसद ने ओडिया भाषा के लिए अपना मुंह नहीं खोला। उन्होंने देखा कि अन्य राज्यों को पैसा मिला। और अब वह ओडिया अस्मिता के बारे में बात कर रहे हैं।

कार्तिक पांडियन ने आगे कहा कि उधरए मु यमंत्री बार.बार ओडिसी नृत्य को शास्त्रीय दर्जा देने की मांग करते रहे हैंए लेकिन केंद्र में भाजपा सांसद अपना मुंह नहीं खोल रहे हैं। मु यमंत्री ने भी दो बार पत्र लिखा हैए लेकिन केंद्र सरकार ने इसे खारिज कर दिया है। भाजपा के आठ सांसद और ओडिया के दो केंद्रीय मंत्री भी मुंह नहीं खोल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ओडिशा के बेटे बीजू पटनायक को भी नजरअंदाज कर रहा है। बीजू बाबू ने ओडिशा ही नहींए बल्कि भारत के लिए बहुत योगदान दिया है। वह स्वतंत्रता सेनानी भी थेए लेकिन केंद्र सरकार ने उन्हें भारत रत्न नहीं दिया। केंद्र सरकार की ओर से बीजू बाबू की बार.बार अनदेखी की जा रही है।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि इसके अलावा 10 साल तक केंद्रीय मंत्री रहते हुए उन्होंने राज्य के लिए क्या.क्या किया है। कटक.संबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग का कार्य अभी पूरा किया जाना है। चुनाव के दौरान एनएच 55 के काम में तेजी लाई गई। पांडियन ने कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री मु यमंत्री की कुर्सी चाहते हैं।

सांसद आदर्श ग्राम पंचायत में दिशाहीन हुई योजनाएं

राउरकेला ०९/०५ (संवाददाता): गुरुंडिया ब्लाक के गुरुंडिया पंचायत को सांसद आदर्श ग्राम के रूप में घोषित करने के बाद यहां विकास कार्य शुरू किए गए हैं जिसमें से अधिकतर अधूरे हैं। शिशु उद्यानए स्ट्रीट लाइटए कल्याण मंडप के लिए जगह की पहचान की गई पर काम शुरू नहीं हुआ। इसमें सांसद जुएल ओराम भी सक्रियता नहीं दिखा रहे हैं। 12 लाख की लागत से निर्मित शिशु उद्यान व हनुमान प्रतिमा जर्जर हो गई है। इसमें ताला लगा है एवं बच्चों के लिए लगे मनोरंजन के उपकरण बर्बाद हो रहे हैं। सफाई नहीं होने से पार्क घासफूस से भर गया है। तहसील कार्यालय व आसपास में छह लाख रुपये की लागत पर स्ट्रीट लाइट लगने के छह महीने बाद ही अधिकतर खंभे टूट गए एवं लाइट नहीं जल रही है। इसकी मर मत के प्रति किसी का ध्यान नहीं है। बस स्टैंड में 65.67 लाख की लागत पर बना प्रतीक्षालय भी बेकार पड़ा है। सांसद आदर्श पंचायत में 79 परियोजनाओं पर काम करने का निर्णय लिया गया था। इसमें से 54 का काम पूरा दिखाया जा रहा है जबकि 17 का काम चल रहा है। इसमें बस स्टैंड गार्डवाल एवं चहारदीवारी निर्माण पर 30 लाखए बड़गांव सीताराम हाईस्कूल के पास चार लाख की लागत पर सौर ऊर्जा संचालित पाइप से जलापूर्ति परियोजनाए बस स्टैंड में नौ लाख की लागत पर 13 मार्केट शेड का निर्माणए 20 लाख की लागत पर बस स्टैंड व यात्री प्रतीक्षालयए ग्रामीण सड़क का निर्माण के लिए सांसद कोष एवं अन्य स्रोत से 60 लाख रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं।

ओडिशा में राजनाथ सिंह ने भरी हुंकार, कहा-हमने जो कहा वह कर दिखाया

भुवनेश्वर ०९/०५ (संवाददाता):रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एक दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचे हैं। इस मौके पर उन्होंने यहां लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

अपने चुनावी भाषण में राजनाथ सिंह ने कहा कि कालाहांडी गरीब और दरिद्रता के लिए जाना जाता है। जब तक प्रत्येक क्षेत्र विकसित नहीं होगाए विकसित भारत संभव नहीं है।

कांग्रेस ने गरीबी हटाने का वादा किया था लेकिन वर्षों तक सत्ता में काबिज रहने के बावजूद कांग्रेस गरीबी नहीं हटा पाई। लेकिन मोदी ने कुछ ही सालों में ऐसा कर दिखाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्त किया है। भाजपा ओडिशा में सत्ता में आई तो यहां के लोगों को भी आयुष्मान कार्ड मिलेगा। चाहे गरीब हो या अमीरए सभी को आयुष्मान सुविधाएं मिलेंगी। हम जो कहते हैं वह करते हैंए यह हमारा चरित्र है।

हमने कहा था कि हम अनुच्छेद 370 हटाएंगे। हमने राम मंदिर के निर्माण के लिए कहा था और इसे वास्तविकता में बदल दिया। हमने तीन तलाक खत्म करने के लिए कहाए हमने इसे खत्म कर दिया।

आपने कांग्रेस सरकार के 50 साल और बीजद सरकार के 25 साल देखे। कांग्रेस हमेशा नकारात्मक राजनीति करती है। हमारी सरकार आने के बाद आतंकी हमलों में कमी आई है।

राजनाथ सिंह ने लोगों से भाजपा को सत्ता में लाने की अपील की क्योंकि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राजनाथ सिंह भवानीपटना में जनसभा को संबोधित करने के बाद रामगढ़ पहुंचे। वह रायगढ़ शहर में बारीझोला रोड पर आईएसीआर मैदान में दोपहर एक जनसभा को संबोधित किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दौरे को देखते हुए कालाहांडी और रायगढ़ जिला दोनों ही जगह भाजपा खेमों में उत्साह है। रक्षा मंत्री के दौरे से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

आरएसपी द्वारा प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ अप्रैल प्रदर्शन के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत

राउरकेला ०९/०५ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र ने प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में शुरुआत के बाद से अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ अप्रैल प्रदर्शन के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत की है। इस्पात संयंत्र ने 383300 टन तप्त धातु और 359613 टन विक्रेय योग्य स्टील का उत्पादन कियाए जो किसी भी अप्रैल माह के लिए सबसे अच्छा है। ब्लास्ट फर्नेस. 5 ने 243916 टन हॉट मेटल का उत्पादन करके अपना सर्वश्रेष्ठ अप्रैल प्रदर्शन दर्ज कियाए जबकि स्टील मेल्टिंग शॉप-२ ;एसएमएस-२ ने भी 299512 टन क्रूड स्टील का उत्पादन करके अपना सर्वश्रेष्ठ अप्रैल प्रदर्शन हासिल किया। इसके अलावाए अत्याधुनिक हॉट स्ट्रिप मिल.2 ने 207938 टन एचआर कॉइल्स का उत्पादन करके एक नया सर्वश्रेष्ठ अप्रैल रिकॉर्ड बनायाए जो अप्रैल 2023 में अर्जित किये गए पिछले सर्वश्रेष्ठ की तुलना में 31.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आरएसपी की सिलिकॉन स्टील मिल 630 टन सीआरएनओ कॉइल का उत्पादन कर एकल दिवस का नया उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज किया।

उत्साहजनक उत्पादन प्रदर्शन प्रेषण के क्षेत्र पर भी परिलक्षित हुआ इस्पात संयंत्र ने 276000 टन का सीएमओ सीधा प्रेषण और 369000 टन का विक्रेय योग्य स्टील प्रेषण हासिल कर दोनों ही क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ अप्रैल प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व किया ।

तकनीकी.आर्थिक मानदंड मेंए आरएसपी ने ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता 2.044 टन प्रति दिन प्रति घन मीटर ;टन दिन/एमक्यूब दर्ज कीए जो स्थापना के बाद से अब तक का अप्रैल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता का 2.104 टनध्दिनण्घन मीटर का पिछला सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा अप्रैल 2018 में हासिल किया गया था।

ब्लास्ट फर्नेस का कोक दर भी बढ़कर 403 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल हो गयाए जो अप्रैल में एक नया रिकॉर्ड है। अप्रैलए 2024 में विशिष्ट ऊर्जा खपत को घटाकर 5.98 गीगा कैलोरी प्रति टन क्रूड स्टील ;जीसीएएलध्टीसीएसद्ध करने के साथ इस्पात संयंत्र ने अप्रैल 2021 में हासिल किए गए अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 5ण्991 ;जीकैल/टीसीएस से बेहतर प्रदर्शन किया।

महीने की अन्य प्रमुख विशेषताओं में 6 अप्रैल 2024 को एलएसएफ्टीओ योजना के तहत एचएसएम.2 से एचआर कॉइल की पहली रेक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और एसएमएस-2 के कनवर्टर.बी में सेल में उच्चतम एसएमएस कनवर्टर लाइनिंग लाइफ हासिल करना जिसमें 6700 से अधिक हीट शामिल है जो बेकार जली हुई मैग्नीशिया ईंटों से बनी मैग्नेशिया कार्बन ईंटों के साथ तैयार की गयी थी । आरएसपी ने संयंत्र में पेलेट की निरंतर उपलब्धता के लिए फाइन की समय पर शि टंग को बढ़ाने के लिए बरसुआ और बोलानी खदानों से 27500 टन लौह अयस्क फाइन को पीएमआरएन साइडिंग में अपनी साइडिंग में स्थानांतरित करने के लिए कन्वर्शन एजेंट के साथ जीपीडब्ल्यूआईएस योजना के तहत अंतिम रूप रेखा तय कर लिया है । केवल अप्रैल 2024 में 6 रेक की आपूर्ति की गई है। निदेशक प्रभारी ;आरएसपी श्री अतनु भौमिक ने भारतीय इस्पात उद्योग में आरएसपी को अग्रणी बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों को स्वीकार करते हुए कहा हैए श्आइए दृढ़ संकल्पए लचीलेपन और अपनी सामूहिक क्षमता में विश्वास रखते हुए अपने लक्ष्यों को पूरा कर महानता हासिल करें!